CNEWS मिटी चीफ

मिटी चीफ

वर्ष-17, अंक-215 पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत में चर्चित हिन्दी अखबार

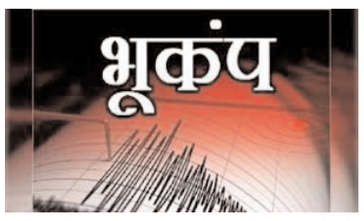
CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, बुधवार 18 नवंबर 2026



न्यूज अपटेड

उत्तराखंड के चमोली में 4.1 तीव्रता का भूकंप, सुबह कांपी धरती; मणिपुर में भी झटके



चमोली. उत्तराखंड के चमोली जिले में बुधवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए. राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.1 मापी गई. भूकंप सुबह 10 बजकर 21 मिनट 11 सेकंड पर आया. इसका केंद्र चमोली में जमीन से करीब 10 किलोमीटर की गहराई में दर्ज किया गया.भूकंप के झटके महसूस होते ही कई लोग घरों से बाहर निकल आए. अचानक धरती कांपने से लोगों में दहशत फैल गई. हालांकि, फिलहाल किसी तरह के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है. राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक, भूकंप का केंद्र 30.380 डिग्री उत्तरी अक्षांश और 79.581 डिग्री पूर्वी देशांतर पर स्थित था. इसकी कम गहराई को देखते हुए आसपास के क्षेत्रों में झटके महसूस किए जाने की संभावना रही.उत्तराखंड हिमालयी क्षेत्र में स्थित होने के कारण भूकंप की दृष्टि से संवेदनशील है. यहां भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटों के बीच लगातार होने वाली हलचल के चलते भूकंपीय गतिविधियां होती रहती हैं. इसी वजह से उत्तराखंड और आसपास के पहाड़ी इलाकों में समय-समय पर भूकंप के झटके दर्ज किए जाते हैं.

रूस में बड़ा विमान हादसा, सैन्य विमान क्रैश होने से 19 लोगों की मौत; तकनीकी खराबी की आशंका



मॉस्को. रूस में मंगलवार को एक सैन्य परिवहन विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया. पश्चिमी साइबेरिया के केमेरोवो क्षेत्र में हुए इस हादसे में विमान सवार सभी 19 लोगों की मौत हो गई. रूस के रक्षा मंत्रालय ने दुर्घटना की पुष्टि की है. शुरुआती जांच में विमान में तकनीकी खराबी की आशंका जताई गई है. हालांकि, हादसे की वास्तविक वजह का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है.रूसी रक्षा मंत्रालय के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त विमान-टु-12 सैन्य परिवहन विमान था. यह मंगलवार को केमेरोवो क्षेत्र के यागुनोवो गांव के पास एक सुनसान इलाके में गिर गया. विमान में चालक दल के सदस्यों सहित 19 लोग सवार थे. हादसे में किसी को भी नहीं बचाया जा सका. घटना की सूचना मिलते ही जांच अधिकारियों और वायुसेना के विशेषज्ञों को मौके पर भेजा गया.दुर्घटनास्थल रूस की राजधानी मॉस्को से करीब 3,000 किलोमीटर दूर पश्चिमी साइबेरिया में स्थित है. विमान आबादी से दूर एक निर्जन क्षेत्र में गिरा, जिससे जमीन पर मौजूद अन्य लोगों के हताहत होने की सूचना नहीं है. प्रारंभिक जांच में विमान के उपकरणों में तकनीकी खराबी की आशंका जताई गई है.

एयरपोर्ट सुरक्षा में बड़ा बदलाव CISF के जवानों की संख्या घटाने की तैयारी, निजी गार्ड संभालेंगे कुछ जिम्मेदारियां



नई दिल्ली. देश के एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था में जल्द बड़ा बदलाव हो सकता है. केंद्र सरकार हवाईअड्डों पर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के जवानों की तैनाती कम करने और उनकी कुछ जिम्मेदारियां प्रशिक्षित निजी सुरक्षा गार्डों को सौंपने की तैयारी कर रही है. एयरपोर्ट ऑपरेटरों की मांग पर संबंधित एजेंसियों ने इस प्रस्ताव की समीक्षा की है. फिलहाल प्रस्ताव को अंतिम मंजूरी के लिए गृह मंत्रालय भेजा गया है.देश के कुल 119 एयरपोर्ट में से 74 पर के जवान सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं. उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, के करीब दो लाख जवान देशभर में तैनात हैं. इनमें से लगभग 55 हजार जवान एयरपोर्ट की सुरक्षा में लगे हैं.

दो बच्चों की अनिवार्यता खत्म, तीन संतान वाले भी कर सकेंगे सरकारी नौकरी, कैबिनेट की मंजूरी

भोपाल. मध्य प्रदेश सरकार ने सरकारी नौकरी के लिए लागू दो बच्चों की अनिवार्यता समाप्त करने का फैसला किया है. अब तीन संतान वाले अभ्यर्थी भी सरकारी नौकरी के पात्र होंगे. साथ ही तीसरी संतान के आधार पर कर्मचारियों के खिलाफ लंबित विभागीय जांच और अनुशासनात्मक कार्रवाई भी समाप्त की जाएगी.

बुधवार को मंदसौर जिले के गांधी सागर में हुई कैबिनेट बैठक में सामान्य प्रशासन विभाग के सिविल सेवा नियम, 1961 में संशोधन के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई. इससे सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे युवाओं के साथ पहले से कार्यरत कर्मचारियों को भी राहत मिलेगी. अकेले स्कूल शिक्षा विभाग के 30 हजार से अधिक शिक्षकों को इसका लाभ मिलने की उम्मीद है.

सरकार के निर्णय के अनुसार, तीसरी संतान के आधार पर लंबित



विभागीय जांच और अनुशासनात्मक कार्रवाई समाप्त होगी. हालांकि, जिन मामलों में अंतिम आदेश पारित हो चुका है या कर्मचारी बर्खास्त हो चुके हैं, उन पर दोबारा विचार नहीं किया जाएगा. विभिन्न विभागों में इस नियम के तहत करीब 8 से 10 हजार मामले लंबित बताए जा रहे हैं. इनमें स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग के मामले शामिल हैं. इस प्रावधान के कारण पूर्व में दो प्रशिक्षु न्यायाधीशों और तीन चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को सेवा से हटाया गया था.

मध्य प्रदेश में दो से अधिक संतान होने पर सरकारी नौकरी के लिए अयोग्यता का प्रावधान 26 जनवरी 2001 से लागू किया गया था. तत्कालीन मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के कार्यकाल में जनसंख्या नियंत्रण के उद्देश्य से लागू इस नियम के कारण तीन संतान वाले अभ्यर्थी सरकारी भर्तियों से बाहर हो जाते थे. कई कर्मचारियों की वेतनवृद्धि और पदोन्नति भी प्रभावित हुई.

राजस्थान ने 11 मई 2016 और छत्तीसगढ़ ने 14 जुलाई 2017 को दो बच्चों की अनिवार्यता समाप्त कर दी थी. हाल ही में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के घटती प्रजनन दर पर दिए बयान के बाद भी इस मुद्दे पर चर्चा तेज हुई थी. सुप्रीम कोर्ट दो बच्चों की अनिवार्यता संबंधी प्रावधान को संवैधानिक रूप से वैध ठहरा चुका है. हालांकि, राज्य सरकार को अपने सेवा नियमों में संशोधन करने का अधिकार है.

सोनिया गांधी और कैप्टन अमरिंदर की मुलाकात से बढ़ी राजनीतिक हलचल, पूर्व CM ने बताई मुलाकात की वजह

नई दिल्ली. कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी की किताब के विमोचन समारोह में बीजेपी नेता और पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह की मौजूदगी ने राजनीतिक हलकों में चर्चाएं तेज कर दी हैं. सोमवार को दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में अमरिंदर सिंह पहली पंक्ति में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सहित कई विपक्षी नेताओं के साथ बैठे नजर आए.

अमरिंदर सिंह की इस मौजूदगी को इसलिए भी खास माना जा रहा है, क्योंकि वह कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हो चुके हैं. हालांकि, उन्होंने इस मुलाकात को किसी राजनीतिक घटनाक्रम से जोड़ने की अटकलों को खारिज किया है.

कांग्रेस छोड़ने के बाद भी गांधी परिवार से पुराने रिश्ते

कैप्टन अमरिंदर सिंह ने स्पष्ट किया कि गांधी परिवार के साथ उनके लंबे समय से व्यक्तिगत संबंध हैं. उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के साथ अपनी पुरानी दोस्ती का भी उल्लेख किया. उनके मुताबिक, अलग-अलग राजनीतिक दलों में होने का मतलब यह नहीं है कि पुराने



व्यक्तिगत रिश्ते खत्म हो जाएं.

अमरिंदर सिंह की कार्यक्रम में मौजूदगी के बाद यह चर्चा शुरू हो गई कि क्या उनका बीजेपी नेतृत्व से कोई मतभेद चल रहा है या वह दोबारा कांग्रेस के करीब आ रहे हैं. हालांकि, उन्होंने ऐसी अटकलों को कोई आधार नहीं बताया.

सामाजिक कार्यक्रम को राजनीतिक रंग न दें

बुक लॉन्च समारोह में अपनी मौजूदगी को लेकर अमरिंदर सिंह ने कहा कि इसे केवल एक सामाजिक आयोजन के तौर पर देखा जाना चाहिए. उन्होंने बताया कि सोनिया गांधी पहले भी उनकी तीन किताबों के विमोचन कार्यक्रमों में शामिल हो चुकी हैं.उनका कहना था कि जब अलग-अलग देशों में राजनीतिक मतभेद रखने वाले लोग सामाजिक कार्यक्रमों में एक-दूसरे से मिल सकते हैं, तो यहां उनकी मौजूदगी को राजनीतिक मुद्दा क्यों बनाया जा रहा है? उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी ने उनसे किसी राजनीतिक दल में शामिल होने को लेकर कोई बातचीत नहीं की.

16 नवंबर को दिल्ली के में आयोजित आधिकारिक विमोचन समारोह में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे, अखिलेश यादव, हेमंत सोरेन सहित कई प्रमुख नेता शामिल हुए. अलग-अलग राजनीतिक दलों के नेताओं की एक साथ मौजूदगी ने इस कार्यक्रम को खास बना दिया.

2021 में छोड़ी थी कांग्रेस, बाद में बीजेपी में हुए शामिल

कैप्टन अमरिंदर सिंह ने सितंबर 2021 में पंजाब के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद कांग्रेस छोड़ दी थी. इसके बाद उन्होंने पंजाब लोक कांग्रेस नाम से अपनी पार्टी बनाई. वर्ष 2022 में विधानसभा चुनाव से पहले वह बीजेपी में शामिल हो गए. उनकी पार्टी का भी बाद में बीजेपी में विलय हो गया.अब सोनिया गांधी की किताब के विमोचन समारोह में उनकी मौजूदगी को पंजाब की आगामी 2027 विधानसभा चुनाव की राजनीति के संदर्भ में भी देखा जा रहा है. हालांकि, अमरिंदर सिंह ने अपनी तरफ से किसी राजनीतिक बदलाव का संकेत नहीं दिया है.सोनिया गांधी की किताब का नाम है. इसमें उनके , इटली से भारत आने, राजीव गांधी से विवाह और भारतीय राजनीति में उनकी लंबी यात्रा से जुड़े अनुभव शामिल हैं.



मनीला में ट्रंप ने की पीएम मोदी की तारीफ बोले- बेहद सख्त इंसान हैं भारतीय प्रधानमंत्री

मनीला. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मनीला में क्वाड नेताओं की बैठक के दौरान मुलाकात हुई. इस दौरान दोनों नेताओं ने एक मंच साझा किया. राष्ट्रपति ट्रंप ने पीएम मोदी की तारीफ करते हुए उन्हें बेहद सख्त इंसान बताया. दोनों नेताओं की मुलाकात और ट्रंप की इस टिप्पणी को भारत-अमेरिका संबंधों के लिहाज से अहम माना जा रहा है.क्वाड बैठक के दौरान ट्रंप से चीन के साथ अमेरिका के मतभेदों को लेकर सवाल किया गया. इस पर उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच अलग-अलग मुद्दों पर असहमति हो सकती है, लेकिन इन मतभेदों को अच्छी तरह संभाला गया है. चीन के साथ संबंध और हिंद-प्रशांत क्षेत्र की रणनीतिक स्थिति क्वाड के लिए भी महत्वपूर्ण मुद्दे हैं.ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर ट्रंप ने कहा कि अमेरिका इस मुद्दे को गंभीरता से लेता है. उन्होंने स्पष्ट सुरक्षा, रणनीतिक सहयोग और क्षेत्रीय चुनौतियां इस समूह के प्रमुख मुद्दे हैं. ऐसे में बैठक के दौरान मोदी और ट्रंप की मुलाकात तथा विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर अमेरिकी राष्ट्रपति की टिप्पणियों पर दुनिया की नजरें टिकी हैं

किम जोंग उन से मुलाकात पर क्या बोले ट्रंप?

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन के साथ संभावित मुलाकात के सवाल पर ट्रंप ने कहा कि किम उनसे मिलना चाहेंगे. हालांकि, उन्होंने ऐसी किसी बैठक की तारीख या स्थान को लेकर कोई जानकारी नहीं दी. उन्होंने कहा कि आगे क्या होता है, यह देखना होगा.

होर्मुज में टैंकर पर हमला, एक भारतीय लापता

होर्मुज में एक एलपीजी टैंकर को मिसाइल हमले में निशाना बनाया गया. इस जहाज पर 24 भारतीय समेत कुल 25 क्रू मेंबर सवार थे. केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी. उन्होंने बताया कि पनामा के झंडे वाला एलपीजी टैंकर तारा गैस 16 नवंबर को हमले की चपेट में आया था.सोनोवाल के मुताबिक, जहाज पर सवार भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए अधिकारी लगातार स्थिति पर नजर रख रहे हैं. जहाज की प्रबंधन कंपनी के भी संपर्क में हैं. हालांकि, ताजा जानकारी के मुताबिक, एक भारतीय नाविक के लापता होने की खबर है.केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार इस मामले में संबंधित एजेंसियों के साथ लगातार संपर्क बनाए हुए है. अधिकारियों को भारतीय नाविकों की सुरक्षा और उनकी भलाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं. जहाज की प्रबंधन कंपनी से भी लगातार जानकारी ली जा रही है.होर्मुज भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिहाज से काफी अहम समुद्री मार्ग है. फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाले इस जलमार्ग से भारत के कच्चे तेल और एलएनजी आयात का बड़ा हिस्सा गुजरता है. ऐसे में होर्मुज में युद्ध, मिसाइल हमले या जहाजों की आवाजाही बाधित होने से भारत की तेल और गैस आपूर्ति प्रभावित होती है. इसका सीधा असर पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस की कीमतों और देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है. हालांकि ईरान युद्ध के बाद भारत कच्चे तेल के आयात के लिए दूसरे समुद्री मार्गों का इस्तेमाल कर रहा है.

सिवनी में ASP पर कपल को झूठे केस में फंसाने की धमकी देने का आरोप

सिवनी. मध्य प्रदेश के सिवनी में पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं. एक होटल में युवक-युवती को कथित तौर पर झूठे मामले में फंसाने की धमकी देने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. वीडियो में एडिशनल एसपी के रूप में बताए जा रहे अधिकारी पुलिसकर्मी से युवक के बैग में गांजा रखकर केस बनाने की बात कहते सुनाई दे रहे हैं. यह घटनाक्रम डूंडासिवनी थाना क्षेत्र के बाबरिया रोड स्थित एक होटल का बताया जा रहा है. होटल संचालक संजय सनोडिया ने वीडियो को अपने होटल का सीसीटीवी फुटेज बताया है.

होटल संचालक के मुताबिक, 13 नवंबर को एक बालिग युवक और युवती होटल में ठहरे थे. सूचना मिलने पर एडिशनल एसपी



दीपक मिश्रा पुलिस बल के साथ होटल पहुंचे. संचालक का आरोप है कि अधिकारी ने युवक-युवती से परिजनों को बुलाने के लिए कहा. उनके इनकार करने पर पुलिसकर्मी से युवक के बैग में गांजा रखकर उसके खिलाफ मामला दर्ज करने की बात कही. यह पूरा घटनाक्रम होटल के साउंड रिकॉर्डिंग वाले सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया.

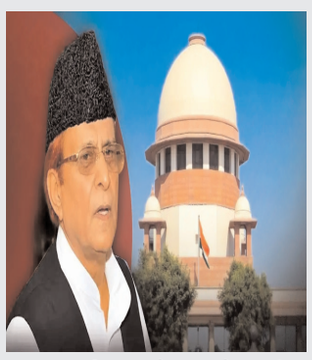
तीन पुलिस अधिकारियों पर वसूली के आरोप

होटल संचालक ने कोतवाली टीआई सतीश तिवारी, एसडीओपी चंचलेश मरकाम और ट्रैफिक निरीक्षक विजय तिवारी पर होटल संचालन के बदले हर महीने 25-25 हजार रुपये मांगने का आरोप भी लगाया है. संचालक का दावा है कि वह तीनों को 10-10 हजार रुपये दे चुका है.मामले के सामने आने के बाद सिवनी एसपी कृष्ण लाल चंदानी ने कोतवाली टीआई सतीश तिवारी को लाइन अटैच कर दिया है. साथ ही आरोपों की जांच के आदेश दिए हैं. हालांकि, वायरल वीडियो और होटल संचालक की ओर से लगाए गए आरोपों की आधिकारिक जांच होना बाकी है. जांच के बाद ही पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी.

आजम खान की जमानत - खिलाफ -ED की याचिका- सुप्रीम कोर्ट -कल सुनवाई तय की

नई दिल्ली. समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री आजम खान की अंतरिम जमानत के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है. एजेंसी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए मामले की तत्काल सुनवाई की मांग की. हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल जमानत पर रोक लगाने से इनकार करते हुए मामले को गुरुवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई है.

ईडी की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष मामला रखा. एजेंसी ने गिरफ्तारी के आधार नहीं बताए जाने और दुर्भावना से गिरफ्तारी किए जाने संबंधी हाईकोर्ट की टिप्पणियों को चुनौती दी. ईडी ने मामले की जल्द सुनवाई के साथ तब तक यथास्थिति बनाए रखने की मांग भी की. इस दौरान जस्टिस जॉयमाल्य बागची ने टिप्पणी की, कोई आसमान



नहीं टूट पड़ेगाज उन्हें अंतरिम जमानत पर रहने दें. इसके बाद कोर्ट ने मामले को गुरुवार को सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई. फिलहाल आजम खान की अंतरिम जमानत बरकरार है.

गिरफ्तारी की प्रक्रिया पर हाईकोर्ट ने उठाए थे सवाल

आजम खान को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अंतरिम जमानत दी थी. सुनवाई के दौरान उनकी ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने दलील दी थी कि गिरफ्तारी के समय ईडी ने उन्हें लिखित रूप में गिरफ्तारी के कारण नहीं बताए थे. हाईकोर्ट ने प्रथम दृष्टया माना था कि गिरफ्तारी की प्रक्रिया में संविधान के अनुच्छेद 22(1) और धन शोधन निवारण अधिनियम की धारा 19 के प्रावधानों का पूरी तरह पालन नहीं किया गया. इसी आधार पर अदालत ने आजम खान को अंतरिम जमानत प्रदान की थी.

जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़ा है मनी लॉन्ड्रिंग मामला

ईडी की जांच रामपुर स्थित मौलाना मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े मामले में चल रही है. जांच एजेंसी का आरोप है कि यूनिवर्सिटी के निर्माण के लिए किसानों की जमीन पर जबरन कब्जा किया गया. इसके अलावा सरकारी कार्यों के लिए जारी धन का इस्तेमाल यूनिवर्सिटी में करने और ठेकेदारों से चंदे के नाम पर ट्रस्ट को रकम वापस दिलाने के आरोप भी हैं.ईडी इस मामले में यूनिवर्सिटी की करीब 426.46 करोड़ रुपये की जमीन और इमारतों को अटैच कर चुकी है. सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को होने वाली सुनवाई में अब हाईकोर्ट के अंतरिम जमानत आदेश को चुनौती देने वाली ईडी की याचिका पर विचार किया जाएगा.

जनसुनवाई में जमीन की कथित फर्जी रजिस्ट्री का मामला उठा, अस्पतालों की व्यवस्थाओं पर भी शिकायत

इंदौर। ग्राम बिलावली की करीब 9 हजार वर्गफीट कृषि भूमि की रजिस्ट्री को लेकर चल रहा विवाद मंगलवार को कलेक्टर की जनसुनवाई में पहुंचा। शिकायतकर्ता निर्मलाबाई सचदेव ने वर्ष 2002 की बताई जा रही एक रजिस्ट्री को फर्जी और कूटरचित बताते हुए उसकी वैधता पर गंभीर सवाल खड़े किए। शिकायत में 15 हजार रुपए के स्टाम्प का उल्लेख करते हुए बताया गया कि संबंधित स्टाम्प रिकॉर्ड के अनुसार स्टाम्प वेंडर को 5 जून 2013 को जारी किया गया था, जबकि कथित रजिस्ट्री वर्ष 2002 की बताई जा रही है। इस तारीख के अंतर को शिकायतकर्ता ने दस्तावेज की प्रामाणिकता पर संदेह का प्रमुख आधार बनाया है।

निर्मलाबाई के अनुसार ग्राम बिलावली के सर्वे नंबर 130/5/2/2 की 0.084 हेक्टेयर कृषि भूमि उन्होंने अल्पना तिवारी से एक जुलाई 2007 को अनुबंध के माध्यम से पूरी राशि चुकाकर खरीदी थी। हालांकि विक्रय पत्र का पंजीयन उस समय नहीं हो सका था। इसके बाद न्यायालय ने 16 जून 2017 को उनके पक्ष में पंजीयन कराने का आदेश दिया था। मामला आगे हाई कोर्ट तक भी पहुंचा। शिकायत में अक्टूबर 2022 में अल्पना तिवारी के पति प्रदीप तिवारी के साथ राजीनामा होने का भी उल्लेख है। अब सामने आए कथित पुराने दस्तावेजों की जांच के लिए



रिकॉर्ड रूम, पंजीयन शुल्क की रसीद, स्टाम्प रजिस्टर और मिनिट्स बुक की पड़ताल कराने की मांग की गई है।इसी जनसुनवाई में गीता भवन ट्रस्ट द्वारा संचालित गीता भवन अस्पताल और बीएम मित्तल अस्पताल की व्यवस्थाओं को लेकर भी शिकायत दर्ज कराई गई। शिकायतकर्ता पांडुरंग सुखवाड़े ने कलेक्टर शिवम वर्मा को आवेदन सौंपकर दोनों अस्पतालों में कथित अनियमितताओं और मरीजों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दे उठाए। उन्होंने अस्पताल परिसर में नगर निगम की अनुमति के बिना दुकानें बनाए जाने का आरोप भी लगाया। शिकायतकर्ता के मुताबिक, इस संबंध में सीएम हेल्पलाइन सहित विभिन्न स्तरों पर पहले भी शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन अब तक अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने संबंधित मामलों की जांच कर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।मंगलवार को आयोजित कलेक्टर जनसुनवाई में शहर और आसपास के क्षेत्रों से करीब 325 आवेदक अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। कलेक्टर शिवम वर्मा सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों ने लोगों की शिकायतें सुनीं और उनके निराकरण के लिए आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान गोरी नगर निवासी एक बुजुर्ग दंपती की समस्या पर भी विशेष ध्यान दिया गया। अधिकारियों को लाभ दिलाने के निर्देश दिए गए। दंपती में शामिल 61 वर्षीय महिला कैंसर से पीड़ित हैं और वर्तमान में शासकीय अस्पताल में उनका उपचार चल रहा है। जनसुनवाई में विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याओं के समाधान के लिए अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

सिंहस्थ से पहले एलिवेटेड ट्रैक से जुड़ेगा एयरपोर्ट मेट्रो स्टेशन, अंडरग्राउंड ट्रैक का काम पकड़ेगा रफ्तार

इंदौर में अंडरग्राउंड मेट्रो परियोजना के निर्माण कार्य में अब तेजी आने की उम्मीद है। हालांकि, इस हिस्से में मेट्रो का नियमित संचालन निर्माण पूरा होने के बाद ही शुरू हो सकेगा, लेकिन सिंहस्थ से पहले एयरपोर्ट मेट्रो स्टेशन को एलिवेटेड कॉरिडोर से जोड़ने की तैयारी है। इससे सिंहस्थ के दौरान हवाई मार्ग से इंदौर पहुंचने वाले यात्रियों को एयरपोर्ट से मेट्रो के जरिए इंदौर-उज्जैन रोड के स्टेशनों तक पहुंचने की सुविधा मिल सकेगी। सुपर कॉरिडोर जंक्शन तक ट्रैक तैयार हो चुका है और इसे अंडरग्राउंड स्टेशन से जोड़ने के लिए ढलान वाला हिस्सा बनाया जा रहा है।



अंडरग्राउंड ट्रैक के निर्माण के लिए जिस क्षेत्र में खुदाई की जा रही है, वहां जमीन के नीचे चट्टानी संरचना मौजूद है। इसके बावजूद टनल बोरिंग मशीन लगातार काम कर रही है। मशीन जमीन से करीब 20 मीटर नीचे 5.8 मीटर व्यास की सुरंग तैयार कर रही है, जिससे भविष्य में मेट्रो ट्रेन का संचालन होगा। अब तक लगभग 100 मीटर लंबी सुरंग बनाई जा चुकी है। सुरंग निर्माण के साथ ही संबंधित मेट्रो स्टेशन का काम भी समानांतर रूप से जारी है। तकनीकी और निर्माण संबंधी कार्य पूरे होने के बाद इस हिस्से में मेट्रो परिचालन का रास्ता साफ होगा।

टनल बोरिंग मशीन एयरपोर्ट से बड़ा गणपति के बीच करीब साढ़े तीन किलोमीटर लंबा अंडरग्राउंड रूट तैयार करेगी। इस मार्ग पर चार स्टेशन प्रस्तावित हैं, जिनमें मल्हारगंज स्टेशन भी शामिल है। एयरपोर्ट स्टेशन को एलिवेटेड कॉरिडोर के साथ मल्हारगंज स्टेशन से भी जोड़ा जाएगा। अंडरग्राउंड नेटवर्क के पश्चिमी हिस्से से जुड़ने के बाद मेट्रो की पहुंच और यात्री संख्या बढ़ने की संभावना है। फिलहाल गांधी नगर से रेडिसन चौराहे तक संचालित मेट्रो को अपेक्षित यात्री नहीं मिल रहे हैं और कोच खाली चल रहे हैं। इसी वजह से एयरपोर्ट कनेक्टिविटी पर विशेष जोर दिया जा रहा है।

कृषि महाविद्यालय के सामने चार्टर्ड बस डिपो में भीषण आग, चार से पांच बसें जलकर खाक

इंदौर, इंदौर में कृषि महाविद्यालय के सामने स्थित चार्टर्ड बस डिपो में मंगलवार-बुधवार की दरम्यानी रात करीब दो बजे अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते चार से पांच चार्टर्ड बसें पूरी तरह जलकर खाक हो गईं। घटना के समय डिपो परिसर में आई-बस और चार्टर्ड कंपनी की कई अन्य बसें भी खड़ी थीं। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, डिपो के नजदीक पड़े कचरे में लगी आग हवा के कारण भड़क उठी और उसकी लपटें पास खड़ी बसों तक पहुंच गईं। आग का विकराल रूप देखकर कर्मचारियों और आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई।



आग लगने की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीमें तत्काल घटनास्थल पर पहुंचीं और बचाव एवं अग्निशमन अभियान शुरू किया। दमकलकर्मियों ने सबसे पहले आग को अन्य बसों तक फैलने से रोकने के प्रयास किए और आसपास खड़े वाहनों को सुरक्षित स्थान पर हटवाया। करीब दो घंटे तक लगातार पानी की बौछार कर आग पर नियंत्रण पाया गया। इस दौरान आसमान में धुएं का घना गुबार छाया रहा। राहत की बात यह रही कि आग डिपो में खड़ी अन्य बसों तक नहीं पहुंची। हुए नुकसान का आकलन किया जा रहा है।



उज्जैन के सफाई मित्रों पर सीएम ने की पुष्पवर्षा, प्रत्येक को 5 हजार रुपए सम्मान राशि देने की घोषणा

उज्जैन। स्वच्छता के क्षेत्र में लगातार दूसरी बार राष्ट्रीय स्तर पर पहला स्थान हासिल करने वाले उज्जैन के सफाई मित्रों के सम्मान में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को विशेष आत्मीयता दिखाई। गीता भवन में आयोजित सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री ने सफाई कर्मचारियों पर पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया। उन्होंने मंच तक सीमित रहने के बजाय कर्मचारियों के बीच पहुंचकर उनसे संवाद किया, तस्वीरें खिंचवाईं और साथ बैठकर भोजन भी किया। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक सफाई मित्र को पांच-पांच हजार रुपए की सम्मान राशि देने की घोषणा करते हुए कहा कि शहर की इस उपलब्धि का वास्तविक श्रेय उनकी मेहनत और समर्पण को जाता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सफाई मित्र विपरीत परिस्थितियों में भी अपनी जिम्मेदारी पूरी निष्ठा से निभाते हैं। जब शहर के अधिकांश लोग सो रहे होते हैं, तब ये कर्मचारी सड़कों और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ बनाने में जुटे रहते हैं। कोरोना महामारी के कठिन दौर से लेकर भगवान महाकाल की सवारी, नागपंचमी और महाशिवरात्रि जैसे विशाल आयोजनों तक उन्होंने उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल सरकारी व्यवस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छता अभियान के बाद देश में यह जनआंदोलन बना है। राष्ट्रीय स्तर के 27 पुरस्कारों में नौ मध्यप्रदेश को मिलना गौरवपूर्ण उपलब्धि है।

मुख्यमंत्री ने उज्जैन की कचरा प्रबंधन व्यवस्था की सराहना करते हुए बताया कि गीले कचरे से बिजली, मंदिरों के फूलों से अगरबत्ती और सूखे कचरे से आरडीएफ तैयार किया जा रहा है, जिसे सीमेंट फैक्ट्रियों को बेचा जाता है। करीब 75 टन प्रतिदिन क्षमता वाले वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट और नए गार्बेज ट्रांसफर स्टेशन विकसित किए जा रहे हैं। समारोह में सफाई मित्रों का जोन और सेक्टरवार सम्मान किया गया तथा उनके लिए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर भी लगाया गया। महापौर मुकेश टटवाल और निगम सभापति कलावती यादव ने उपलब्धि का श्रेय सफाई मित्रों, अधिकारियों, कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों और शहरवासियों के सामूहिक प्रयासों को दिया।

इंदौर भाजपा में संगठनात्मक नियुक्तियों की सुगबुगाहट तेज, युवा और महिला मोर्चा के नामों पर बढ़ी खींचतान

इंदौर। भाजपा में लंबे समय से रिक्त पड़े संगठनात्मक पदों पर नियुक्तियों की सुगबुगाहट तेज हो गई है। इसका असर इंदौर नगर और ग्रामीण भाजपा में भी देखने को मिल रहा है, जहां युवा मोर्चा, महिला मोर्चा और अल्पसंख्यक मोर्चा के पदों पर नियुक्तियां अटकी हुई हैं। भोपाल में होने वाली प्रदेश स्तरीय बैठक में जिला अध्यक्षों से नियुक्तियों की स्थिति, देरी के कारण और संभावित दावेदारों की जानकारी मांगी गई है। प्रदेश प्रभारी विप्लव देव और संगठन महामंत्री चंद्रशेखर की मौजूदगी में नामों पर सहमति बनाने की कोशिश होगी।

बैठक में इंदौर नगर भाजयुमो अध्यक्ष के लिए चल रही दावेदारी भी महत्वपूर्ण रहेगी। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की ओर से अंकित रावल का नाम सामने आया है, जबकि संघ की पसंद के रूप में



अक्षांशु तिवारी की चर्चा है। इसके अलावा रोहित चौधरी, धीरज खंडेलवाल, निक्की राय, मयूरेश पिंगले और अमित सिंह कुशवाह भी दौड़ में बताए जा रहे हैं। वहीं, इंदौर ग्रामीण महिला मोर्चा अध्यक्ष को लेकर विधायक उषा ठाकुर मौजूदा अध्यक्ष किरण सिसोदिया के समर्थन में हैं, जबकि राज्यसभा सदस्य कविता पाटीदार माया पटेल के नाम पर जोर दे रही हैं।संगठन महामंत्री चंद्रशेखर ने लंबे समय से अटकी नियुक्तियों को लेकर सख्त रुख अपनाया है। उनका स्पष्ट संदेश है कि काम करने वाले कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी देने में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए और जहां नाम तय हैं, वहां घोषणाएं कर दी जाएं। इंदौर नगर और ग्रामीण दोनों इकाइयों में अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्षों भोपाल की बैठक को स्थानीय संगठन के लिए अहम माना जा रहा है। प्रदेश नेतृत्व की सहमति बनने पर जल्द ही इंदौर में भी नई नियुक्तियों की घोषणा हो सकती है।

इंदौर की 30 पुरानी कॉलोनियों में मकानों के नक्शे पास होने का रास्ता साफ, तीन साल बाद मिली बड़ी राहत

इंदौर। शहर की पुरानी और बिना लेआउट विकसित हुई कॉलोनियों के रहवासियों के लिए मकान का नक्शा मंजूर कराना अब आसान होगा। करीब तीन साल से लंबित डाटा फॉर्म वाले नक्शों को स्वीकृति देने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। राज्य शासन ने मध्यप्रदेश भूमि विकास नियमों में संशोधन के बाद अंतिम गजट नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इसके बाद नगर निगम की भवन अनुज्ञा शाखा में ऑनलाइन आवेदन भी शुरू हो गए हैं। इस फैसले से करीब 400 लंबित प्रकरणों का निराकरण होने के साथ हजारों रहवासियों को राहत मिलने की उम्मीद है।



नए प्रावधान के तहत 500 वर्गमीटर यानी लगभग 5382 वर्गफीट तक के भूखंडों पर डाटा फॉर्म के आधार पर नक्शे मंजूर किए जा सकेंगे। इसका लाभ शहर की 28 से 30 पुरानी कॉलोनियों को मिलेगा। इनमें मुरई मोहल्ला, जूनी इंदौर, बाणगंगा, भमोरी, छावनी, मनोरमागंज, कोठी कंपाउंड, जवाहर मार्ग, बिजलपुर, पीपल्याहाना, निरंजनपुर और खातीपुरा सहित कई क्षेत्र शामिल हैं। भवन अनुज्ञा शाखा प्रभारी राजेश उदावत के अनुसार, महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के समक्ष लगातार यह समस्या उठाई थी। अब शासन की मंजूरी के बाद अटके आवेदन आगे बढ़ सकेंगे।

नियमों में बदलाव से अवैध निर्माण पर अंकुश लगाने और नगर निगम के राजस्व में वृद्धि की भी उम्मीद है। नक्शे मंजूर नहीं होने के कारण कई रहवासी बिना अनुमति निर्माण कराने को मजबूर थे। इसके अलावा 24 मीटर चौड़ी सड़कों पर अब निर्धारित मापदंडों के अनुसार पूरी तरह व्यावसायिक उपयोग के नक्शे भी स्वीकृत किए जा सकेंगे। पहले यहां केवल मिश्रित उपयोग की अनुमति मिलती थी। डाटा फॉर्म के नक्शों का मुद्दा निगम परिषद और एमआईसी की बैठकों में लगातार उठता रहा था। जनप्रतिनिधियों की मांग और शासन स्तर पर हुई पहल के बाद जारी गजट नोटिफिकेशन से शहर के पुराने रहवासी क्षेत्रों को बड़ी राहत मिली है।

इंदौर में साइबर ठगों का आतंक, अस्पताल की पर्ची बनवाने के बहाने 7.69 लाख उड़ाए; दो अन्य वारदातों में भी हजारों की चपत

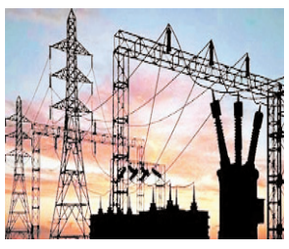
इंदौर। शहर और आसपास के ग्रामीण इलाकों में साइबर ठगी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। ताजा मामलों में ठगों ने अलग-अलग तरीकों से तीन लोगों को निशाना बनाकर लाखों रुपए की चपत लगा दी। चंदन नगर में अस्पताल की पर्ची बनवाने का झांसा देकर एक व्यक्ति से वाट्सएप पर पिन जनरेट करवाया गया और उसके दो बैंक खातों से 7.69 लाख रुपए निकाल लिए गए। वहीं सिमरोल और किशनगंज थाना क्षेत्रों में भी ऑनलाइन धोखाधड़ी की घटनाएं सामने आई हैं। संबंधित थानों की पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।चंदन नगर पुलिस के अनुसार अहमद नगर, ग्राम बांक सिरपुर निवासी मोहम्मद शाहिद खान (42) के साथ 7 नवंबर को सुबह करीब 9 से 12 बजे के बीच ठगी हुई। अज्ञात व्यक्ति ने वाट्सएप पर कॉल कर अस्पताल की पर्ची बनवाने का बहाना बनाया और उनसे पिन जनरेट करवाने के बाद 10 रुपए ट्रांसफर कराए। इसके बाद 11 नवंबर को उनका मोबाइल कुछ समय के लिए बंद हो गया। फोन दोबारा चालू होने पर बैंक खातों से



यूपीआई के जरिए 7 लाख 69 हजार 732 रुपए निकाले जाने का पता चला। उन्होंने एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने केस दर्ज किया।दूसरी घटना सिमरोल क्षेत्र की है, जहां ग्राम दतोदा निवासी मनीष पालडिया (19) की शिकायत पर अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। शिकायत के मुताबिक 29 अक्टूबर की शाम करीब 7.20 बजे फरियादी के पिता परसराम का वाट्सएप अकाउंट हैक कर लिया गया। इसके बाद गूगल-पे के माध्यम से बैंक खाते से 97 हजार रुपए ट्रांसफर कर लिए गए। पुलिस अब मोबाइल और डिजिटल लेनदेन से जुड़े रिकॉर्ड की जांच कर रही है। आरोपी तक पहुंचने के लिए तकनीकी साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं।इसी तरह किशनगंज थाना क्षेत्र में भी साइबर ठगी का मामला सामने आया है। भैसलाय निवासी ब्रजेश लोधा (30) के बैंक खाते से अज्ञात व्यक्ति ने 51 हजार रुपए निकाल लिए। फरियादी के अनुसार 11 नवंबर को दोपहर के समय यह ऑनलाइन धोखाधड़ी हुई और बैंक से रकम कटने का संदेश मिलने पर उन्हें इसकी जानकारी लगी। पुलिस ने आईटी एक्ट और धोखाधड़ी की धाराओं में मामला दर्ज किया है। लगातार सामने आ रही इन घटनाओं ने ऑनलाइन बैंकिंग और डिजिटल भुगतान की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है।

एमपी के 16 जिलों में अब तक 1.33 लाख किसानों को बड़ी राहत

पांच रुपए में मिला बिजली कनेक्शन



भोपाल, मध्यप्रदेश में किसानों को सिंचाई के लिए बिजली कनेक्शन लेने में अब शुरुआती तौर पर बड़ी रकम खर्च नहीं करनी पड़ेगी। किसान कल्याण वर्ष 2026 के तहत प्रदेश के 16 जिलों में किसानों को महज पांच रुपए के प्रारंभिक शुल्क पर स्थायी कृषि पंप बिजली कनेक्शन दिए जा रहे हैं। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की इस योजना का अब तक 1 लाख 33 हजार 149 किसान लाभ उठा चुके हैं। खास बात यह है कि कनेक्शन की शेष राशि एकमुश्त जमा करने की बाध्यता नहीं है।

किसान इसे अपने मासिक बिजली बिल के साथ किस्तों में चुका सकते हैं। योजना का लाभ भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर और चंबल संभाग के जिलों में दिया जा रहा है। इसमें भोपाल रीजन के आठ जिलों के 1 लाख 1 हजार 942 किसान और ग्वालियर रीजन के आठ जिलों के 31 हजार 207 किसान शामिल हैं। इस तरह योजना के तहत अब तक कुल 1.33 लाख से अधिक कृषि पंप कनेक्शन जारी किए जा चुके हैं।

इस योजना का लाभ उन किसानों को मिलेगा, जिनके खेत बिजली की उपलब्ध लाइन के नजदीक हैं। ऐसे किसान मात्र पांच रुपए का प्रारंभिक शुल्क जमा कर नए स्थायी कृषि पंप बिजली कनेक्शन प्राप्त कर सकते हैं। कनेक्शन के लिए निर्धारित शेष राशि का भुगतान मासिक बिजली बिल के साथ किस्तों में किया जा सकेगा। इस व्यवस्था से उन किसानों को राहत मिलने की उम्मीद है, जो खेतों में सिंचाई के लिए स्थायी बिजली कनेक्शन लेना चाहते हैं, लेकिन एकमुश्त राशि यह योजना महत्वपूर्ण है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने किसानों को योजना का लाभ लेने के लिए अपने नजदीकी विद्युत वितरण केंद्र या जोन कार्यालय में संपर्क करने की सलाह दी है।

मोर्चों से लेकर विशेष आमंत्रितों तक कई नियुक्तियां अटकीं, संगठन में बढ़ रही बेचैनी

16 महीने बाद भी अधूरी मप्र भाजपा की टीम

प्रदेश कार्यसमिति में उपाध्यक्ष और मंत्री का एक-एक पद खाली, दतिया जिला इकाई का भी गठन नहीं



भोपाल, मध्यप्रदेश भाजपा में संगठन विस्तार की रफ्तार पर सवाल उठने लगे हैं। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल को कमान संभाले 16 महीने बीत चुके हैं, लेकिन प्रदेश कार्यसमिति अब तक पूरी नहीं हो पाई है। उपाध्यक्ष और मंत्री का एक-एक पद खाली है। दतिया जिला इकाई का गठन भी लंबित है। मोर्चा-प्रकोष्ठों की प्रदेश और जिला स्तर की टीमें भी कई जगह अधूरी हैं। विशेष आमंत्रित सदस्यों की सूची का इंतजार अलग चल रहा है। संगठन के भीतर चर्चा इस बात को लेकर है कि जिन फैसलों के लिए पहले भोपाल में ही मशविरा और मंथन प्रभारी की नियुक्ति में भी राष्ट्रीय नेतृत्व की हरी झंडी मिलने में करीब डेढ़ महीने का समय लगा। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या प्रदेश संगठन के फैसलों में केंद्रीय नेतृत्व की भूमिका बढ़ने से स्थानीय स्तर पर निर्णय प्रक्रिया धीमी हो गई है?

40 दिन की परंपरा बनाम 16 महीने का इंतजार

पार्टी के पुराने पदाधिकारियों और वरिष्ठ नेताओं का कहना है कि भाजपा में प्रदेश अध्यक्ष द्वारा परामर्श के बाद करीब 40 दिन के भीतर कार्यसमिति गठित करने की परंपरा रही है। ऐसे में 16 महीने बाद भी पदों का रिक्त रहना संगठनात्मक प्रक्रिया पर सवाल खड़े करता है। पूर्व सांसद और वरिष्ठ भाजपा नेता रघुनंदन शर्मा का कहना है कि भाजपा लोकतांत्रिक पार्टी है। निर्वाचित अध्यक्ष परामर्श से संगठनात्मक और रचनात्मक निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र और सक्षम हैं। पार्टी का स्ट्रक्चर गठित करने की जिम्मेदारी अध्यक्ष की होती है। संगठन में लंबे समय तक अपूर्णता या रिक्तता रहना कमजोरी का प्रतीक है।

हेमंत खंडेलवाल ने 2 जुलाई 2025 को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाली थी। इसके करीब तीन महीने 21 दिन बाद उन्होंने प्रदेश पदाधिकारियों की पहली सूची जारी की। इसमें उपाध्यक्ष और मंत्री का एक-एक पद रिक्त रखा गया था। तब माना जा रहा था कि जातीय और क्षेत्रीय समीकरणों को ध्यान में रखते हुए बाद में के वरिष्ठ नेताओं के बीच इस देरी को लेकर चर्चा है। उनका मानना है कि प्रदेश कार्यसमिति के सभी पद भरे होने से संगठनात्मक कामकाज में स्पष्टता और गति आती है।

दतिया में जिलाध्यक्ष, लेकिन पूरी टीम का इंतजार

संगठनात्मक देरी की एक बड़ी मिसाल दतिया जिला इकाई है। उपचुनाव के दौरान तत्कालीन जिला इकाई के प्रदर्शन के बाद प्रदेश नेतृत्व ने पूरी कार्यकारिणी भंग कर दी थी। बाद में माधवेंद्र सिंह को नया जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया, लेकिन उनकी जिला टीम अब तक घोषित नहीं हो पाई है। बताया जाता है कि जिलाध्यक्ष इस संबंध में कई बार भोपाल के चक्कर लगा चुके हैं। इसके बावजूद पदाधिकारियों की सूची जारी नहीं हो सकी। इससे जिले में संगठनात्मक गतिविधियों और कार्यकर्ताओं के बीच जिम्मेदारियों को लेकर असमंजस बना हुआ है।

मोर्चों की टीमें भी पूरी तरह तैयार नहीं

प्रदेश भाजपा में केवल मुख्य कार्यसमिति ही नहीं, बल्कि आनुषांगिक संगठनों के स्तर पर भी कई नियुक्तियां लंबित हैं। अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में इब्राहिम शेरानी की नियुक्ति हो चुकी है, लेकिन उनकी प्रदेश कार्यसमिति और जिला इकाइयों का गठन बाकी है। इसी तरह पिछले साल घोषित कुछ मोर्चा और प्रकोष्ठों में भी निचले स्तर तक संगठन का विस्तार पूरा नहीं हुआ है। 14 नवंबर को अनुसूचित जनजाति मोर्चा ने जिला पदाधिकारियों की सूची जारी की, जबकि कुछ अन्य जिलों में अभी नियुक्तियों का इंतजार है। विशेष आमंत्रित सदस्यों की सूची भी अब तक जारी नहीं हुई है।

कहीं बैंक खातों की केवायसी अधूरी तो कहीं पोर्टल पर डेटा अपडेट नहीं

58 लाख बच्चों को अब तक नहीं मिली गणवेश की रकम

भोपाल। सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले लाखों बच्चों के लिए स्कूल गणवेश का इंतजार लंबा होता जा रहा है। शैक्षणिक सत्र का आधा समय बीतने को है, लेकिन प्रदेश के करीब 58 लाख विद्यार्थियों के बैंक खातों में अब तक गणवेश की राशि नहीं पहुंची है। सरकार ने इस साल प्रत्येक बच्चे को दो जोड़ी ड्रेस खरीदने के लिए 600 रुपए देने का फैसला किया है, लेकिन भुगतान की प्रक्रिया बैंक खातों के सत्यापन और पोर्टल पर डेटा अपडेट होने के फेर में अटकी हुई है।

प्रदेश के करीब 92 हजार प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों के बच्चों को इस योजना का लाभ मिलना है। इसके लिए करीब 348 करोड़ रुपए का बजट निर्धारित किया गया है। अब विभाग नवंबर के अंत तक राशि खातों में पहुंचाने की तैयारी कर रहा है। यानी जिन बच्चों को सत्र की शुरुआत में गणवेश मिलनी थी, उन्हें इसके लिए कई महीने इंतजार करना पड़ रहा है। इस साल गणवेश वितरण में देरी की एक बड़ी वजह सरकार का बदला हुआ निर्णय भी रहा। शुरुआत में सरकार ने बच्चों को तैयार गणवेश सिलवाकर उपलब्ध कराने की योजना बनाई थी। इसके लिए विभाग ने टेंडर भी जारी किए, लेकिन सेवा शर्तें कठिन होने के कारण किसी भी टेंडरकर्ता ने इसमें रुचि नहीं दिखाई। इसके बाद विभाग ने सितंबर के अंतिम सप्ताह में व्यवस्था बदलते हुए गणवेश की राशि सीधे बच्चों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से भेजने का निर्णय लिया।

गोपाष्टमी पर आज गंज हनुमान मंदिर पर विशाल भंडारा



गंजबासौदा, गोमाता की पूजा, सेवा और संरक्षण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से गोपाष्टमी के पावन पर्व पर 17 नवंबर को श्री गंज हनुमान मंदिर, तिरंगा चौक में भव्य गोपाष्टमी महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर विशाल गोपाष्टमी भंडारे का आयोजन होगा।

मंदिर के महंत श्री महेश्वरदास त्यागी जी महाराज ने बताया कि आयोजन के तहत 17 नवंबर को प्रातः 11 बजे से धार्मिक कार्यक्रम एवं भंडारा प्रारंभ होगा, जो शाम 6 बजे तक चलेगा। आयोजकों ने नगर एवं क्षेत्र के समस्त धर्मप्रेमी नागरिकों, श्रद्धालुओं और परिवारों से सपरिवार पहुंचकर आयोजन में सहभागिता करने तथा भंडारे की प्रसादी ग्रहण करने की अपील की है।आंवला नवमी पर नौलखी तपोवन आश्रम में लगेगा मेला

वेत्रवती घाट स्थित सिद्ध संत बाबा जगन्नाथ दास जी की पावन तपोभूमि नौलखी तपोवन आश्रम में आंवला नवमी का पर्व बुधवार 18 नवंबर को श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ मनाया जाएगा। धार्मिक आयोजन, मेला और विशाल भंडारे का आयोजन होगा। बाबा जगन्नाथ दास जी के समय से चली आ रही वर्षों पुरानी परंपरा के चलते इस आयोजन में नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। आंवला नवमी पर आश्रम परिसर में महिलाएं आंवले के वृक्ष का विधि-विधान से पूजन-अर्चन करेंगी। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन आंवले के वृक्ष की पूजा का विशेष महत्व है।

सरस्वती शिशु मंदिर तलैया में अनुभवों का पुनर्मिलन एवं दीपावली मिलन पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन

विदिशा। सरस्वती शिशु मंदिर तलैया में अनुभवों का पुनर्मिलन एवं दीपावली मिलन पूर्व छात्र सम्मेलन का आयोजन उत्साह, उल्लास के वातावरण में हुआ। सम्मेलन में अंदरकिला, तलैया, केशवनगर विद्यालय के लगभग 300 पूर्व छात्रों एवं पूर्व दीदी-आचार्यों ने सहभागिता कर अपने विद्यालयीन जीवन की पुरानी यादों को ताजा किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर किया गया। इसके पश्चात पूर्व छात्रों द्वारा अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. आशीष जोशी मध्यभारत प्रांत के उपाध्यक्ष, उमाकांत शर्मा पूर्व प्राचार्य तथा वर्तमान में सिरोंज विधायक, डॉ. राजश्री वैद्य विद्याभारती अखिल भारतीय मंत्री एवं आशुतोष गुप्ता संयोजक, विद्या भारती पूर्व छात्र परिषद, मध्यभारत प्रांत की गरिमामयी उपस्थिति रही। पूर्व छात्र परिषद के अध्यक्ष राहुल गुप्ता विशेष रूप से उपस्थित रहे।

पूर्व छात्रों के सहयोग से विद्यालय में निर्मित नवीन कंप्यूटर लैब का अतिथियों द्वारा विधिवत उद्घाटन किया गया। यह पूर्व छात्रों की विद्यालय के प्रति आत्मीयता, सहयोग एवं समर्पण का अनुकरणीय उदाहरण है। इस पहल से विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक एवं कंप्यूटर शिक्षा से जोडने में सहायता मिलेगी। पूर्व छात्रों का यह योगदान विद्यालय के शैक्षिक विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। सम्मेलन में पूर्व छात्रों ने अपने विद्यालयीन जीवन की स्मृतियों को साझा किया तथा अपने गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। वर्षों बाद एक-दूसरे से मिलकर पूर्व छात्रों के चेहरों पर प्रसन्नता संवाद और अपनत्व के भाव से सराबोर हो उठा। इस अवसर पर विद्यालय केवल शिक्षा प्राप्त करने का स्थान नहीं, बल्कि जीवन निर्माण एवं संस्कारों की आधारशिला है। पूर्व छात्र विद्यालय की अमूल्य धरोहर हैं। उन्हें अपने विद्यालय से जुड़े रहकर समाज एवं राष्ट्र के विकास में अपनी सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए।

पूर्व छात्र परिषद के अध्यक्ष राहुल गुप्ता ने पूर्व छात्र परिषद की भूमिका एवं गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए सभी पूर्व छात्रों को संगठित होकर विद्यालय के विकास में सहयोग करने का आह्वान किया। इस अवसर पर श्री रामकृष्ण दास शिक्षण समिति के सचिव उदय ढोली, सहसचिव विनोद किरार उपाध्यक्ष सचिन ताम्रकार, कोषाध्यक्ष विकास जैन सदस्य संजीव सिंह राठौर, प्राचार्य दिनेश शर्मा चौधरी, अंशुल जडया़ि, डॉ. कुणाल रघुवंशी, श्रृष्टि जाधव, शिरीष दीक्षित केतन अग्रवाल उपस्थिति रहे।

86 हजार आशा कार्यकर्ताओं को तकनीकी ट्रेनिंग, स्वास्थ्य सेवाओं को ऑनलाइन प्लेटफार्म से जोड़ने की तैयारी

अब गांव-गांव तक डिजिटल होगा स्वास्थ्य का हिसाब-किताब

भोपाल, मध्यप्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं का तौर-तरीका बदलने की तैयारी है। अब गांवों और दूरदराज के इलाकों में स्वास्थ्य योजनाओं से लेकर मरीजों को दी जाने वाली सेवाओं तक का रिकॉर्ड डिजिटल प्लेटफार्म पर दर्ज किया जाएगा। इसके लिए सरकार ने स्वास्थ्य व्यवस्था की सबसे निचली और महत्वपूर्ण कड़ी यानी आशा कार्यकर्ताओं को तकनीकी रूप से दक्ष बनाने की पहल शुरू की है। प्रदेश की करीब 86 हजार आशा कार्यकर्ताओं को ऑनलाइन कैप्सूल कोर्स के जरिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसकी शुरुआत 13 नवंबर से हो चुकी है। इस व्यवस्था का मकसद स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े आंकड़ों को डिजिटल रूप में उपलब्ध कराना, रिकॉर्ड को व्यवस्थित रखना और योजनाओं की निगरानी को आसान बनाना है।

86 हजार कार्यकर्ताओं को मिलेगा प्रशिक्षण

प्रदेशव्यापी अभियान के तहत 86 हजार आशा कार्यकर्ताओं को कैप्सूल कोर्स के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है। प्रशिक्षण में डिजिटल रिकॉर्ड तैयार करने, ऑनलाइन डाटा एंट्री करने और स्वास्थ्य संबंधी जानकारियों को व्यवस्थित रखने जैसे विषय शामिल हैं। ग्वालियर जिले की 1014 ऑनलाइन प्रशिक्षण के जरिए बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं तक एक साथ तकनीकी जानकारी पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

डाटा से आसान होगी योजनाओं की निगरानी

स्वास्थ्य सेवाओं का रिकॉर्ड ऑनलाइन होने से विभाग के पास योजनाओं और उनके क्रियान्वयन से जुड़ी जानकारी व्यवस्थित रूप में उपलब्ध हो सकेगी। इससे लाभार्थियों तक सेवाओं की पहुंच, स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति और जमीनी स्तर पर होने वाले कामकाज की निगरानी आसान हो डिजिटल रिकॉर्ड तभी कारगर साबित होगा, जब आशा कार्यकर्ताओं को पर्याप्त तकनीकी सुविधा, इंटरनेट और जरूरी संसाधन मिलेंगे। साथ ही ऑनलाइन डाटा दर्ज करने की प्रक्रिया उनके मौजूदा कामकाज पर अतिरिक्त बोझ न बने, यह भी सुनिश्चित करना होगा।

कागजी रिकॉर्ड से डिजिटल प्लेटफार्म की ओर बढ़ेगी व्यवस्था

ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था में आशा कार्यकर्ताओं की भूमिका बेहद अहम है। गर्भवती महिलाओं की निगरानी, बच्चों के टीकाकरण, स्वास्थ्य जागरूकता और विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने में उनकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी होती है। अब इन गतिविधियों का रिकॉर्ड ऑनलाइन दर्ज करने की व्यवस्था विकसित की जा रही है। इसके तहत आशा कार्यकर्ताओं को डिजिटल माध्यम से जानकारी दर्ज करने और स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित डाटा व्यवस्थित रखने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

13 शहरों से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों पर लगना है सेंट्रलाइज्ड सिस्टम, टेंडर जारी, लेकिन शर्तें तय करने में दो महीने गंवाए

मध्यप्रदेश के हाईवे पर स्मार्ट लाइटिंग अटकी

भोपाल, मध्यप्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेस-वे पर रात के सफर को सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने की स्मार्ट स्ट्रीट लाइटिंग परियोजना अफसरशाही की सुस्ती में उलझ गई है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने इस व्यवस्था को लागू करने के लिए सितंबर में टेंडर प्रक्रिया शुरू तो कर दी, लेकिन दो महीने बाद भी काम की शर्तें और तकनीकी रूपरेखा ठोस तरीके से तैयार नहीं हो सकी। नतीजा यह है कि टेंडर जारी होने के बावजूद ठेकेदारों को ही स्पष्ट नहीं है कि उन्हें आखिर काम किस आधार पर करना है।

यह परियोजना ग्वालियर, भोपाल, इंदौर, जबलपुर, छतरपुर, छिंदवाड़ा, हरदा, खंडवा, रीवा, रतलाम, सागर, उज्जैन और विदिशा जैसे शहरों से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों पर लागू की जानी है। इसके तहत मौजूदा स्ट्रीट लाइटों को केंद्रीय नियंत्रण एवं निगरानी प्रणाली (सीसीएमएस) से जोड़ा जाएगा। इससे हाईवे पर लगी प्रत्येक लाइट की स्थिति कंट्रोल रूम से देखी जा सकेगी। लेकिन परियोजना की शुरुआती प्रक्रिया में ही हुई देरी ने स्मार्ट लाइटिंग की शुरुआत को पीछे धकेल दिया है।

दो महीने में शर्तें तय नहीं कर पाए अफसर

जानकारी के मुताबिक, एनएचएआई की टेंडर प्रक्रिया सितंबर में शुरू हुई थी। इसके बाद भोपाल स्थित क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारियों ने दूसरे क्षेत्रीय कार्यालयों से इस परियोजना के तकनीकी और प्रशासनिक प्रावधानों की जानकारी जुटाई। इसी आधार पर अब टेंडर की शर्तें तैयार की जा रही हैं। इन्हें टेंडर दस्तावेजों के साथ अपलोड किया जाना है। सवाल यह है कि जब सितंबर में ही टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई थी, तो जरूरी शर्तें और तकनीकी मानक पहले से तैयार क्यों नहीं किए गए? दो महीने तक प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पाने से परियोजना की समयसीमा पर भी असर पड़ने की आशंका है। अब अधिकारियों का कहना है कि सोमवार को शर्तें अपलोड कर दी जाएंगी। इसके बाद ठेकेदार कंपनियां टेंडर में हिस्सा ले सकेंगी।

हर लाइट की निगरानी कंट्रोल रूम से

नई व्यवस्था में हाईवे की स्ट्रीट लाइटों को रिमोट से चालू और बंद किया जा सकेगा। प्रत्येक लाइट सीसीएमएस के नेटवर्क से जुड़ी होगी। यदि किसी स्थान पर कोई लाइट खराब होती है या बंद हो जाती है, तो इसकी सूचना सीधे कंट्रोल रूम के पैनल पर दिखाई देगी। अभी सामान्य तौर पर स्ट्रीट लाइटें सूर्योदय और सूर्यास्त के समय के आधार पर संचालित होती हैं। किसी लाइट के खराब होने की जानकारी अक्सर पेट्रोलिंग वाहन के मौके पर पहुंचने के बाद ही मिल पाती है। नई व्यवस्था कंट्रोल बॉक्स से जोड़ा जाएगा। ये बॉक्स खराबी की सूचना संबंधित लाइट की लोकेशन के साथ कंट्रोल रूम तक पहुंचाएंगे।नक्शे पर दिखेगी खराब लाइट की लोकेशनइस परियोजना में वेब आधारित केंद्रीय सर्वर तैयार किया जाएगा।

जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया



गंजबासौदा, स्थानीय सैण्टएसआरएस पब्लिक हायर सेकेण्डरी स्कूल में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस दौरान संस्था के प्राचार्य उमेश चंद्र यादव एवं कार्यक्रम अधिकारी कृष्णपाल चौहान ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। स्वयंसेवक राधिका रघुवंशी एवं महक सुमन ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्राचार्य उमेश यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा केवल एक नाम नहीं, बल्कि एक महान विचारधारा थे। उन्होंने मात्र 25 वर्ष की अल्पायु में ही अंग्रेजों की दमनकारी नीतियों और शोषण के खिलाफ ऐतिहासिक लड़ाई का नेतृत्व किया। उन्होंने जल, जंगल और जमीन पर आधारित जनजातीय समाज को संगठित किया।

रेप की दो घटनाओं से शहर हुआ शर्मशार,अल्टीमेटम के बाद चला बुलडोजर

अभिभाषक संघ ने फैसला लिया है कि आरोपी चंदू मिया के पक्ष में कोई भी वकील वकालत नहीं करेगा

विदिशा, विदिशा शहर में नाबालिग बालिका से दुष्कर्म की घटना से पूरा शहर आक्रोषित है। सोमवार को विभिन्न हिंदूवादी संगठनों के साथ ही आम नागरिकों और विधायक मुकेश टंडन ने तक प्रदर्शन किया। वहीं केंद्रीय मंत्री शिवराजसिंह चौहान ने भी मामले को संज्ञान में लेकर आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए और पीड़िता को न्याय दिलवाने की बात कही।

सकल हिंदू समाज के प्रदर्शन तथा दोपहर तीन बजे तक विधायक मुकेश टंडन के अल्टीमेटम के बाद प्रशासन हरकत में आया और नगर पालिका और प्रशासन की टीम ने आरोपी का मकान बुलडोजर से तहसनेस कर दिया। इसी बीच वन विभाग की टीम भी लिए मौके पर पहुंचीं। वन विभाग ने जांच के दौरान बड़ी मात्रा में गीली और बिना अनुमति रखी लकड़ी मिलने पर आरोपी की आरा मशीन को सील कर दिया। वहीं नगर पालिका और प्रशासन की टीम बुलडोजर लेकर पहुंची और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की। कार्रवाई के दौरान मौके पर बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए। सुरक्षा के मद्देनजर भारी पुलिस बल भी तैनात रहा।

बुलडोजर लेकर पहुंचा प्रशासन, हटाया अतिक्रमण

नगर पालिका और प्रशासन की टीम बुलडोजर लेकर मौके पर पहुंची। टीम ने आरोपी के निर्माण और अतिक्रमण को हटाने की कार्रवाई शुरू की। नगर पालिका के एई आरके वर्मा ने बताया कि संबंधित व्यक्ति को अवैध निर्माण के संबंध में 2 नवंबर को नोटिस दिया गया था। इसके बाद एक और नोटिस जारी किया गया, लेकिन जवाब नहीं मिलने पर सोमवार को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है।

विवेकानंद चौराहे पर किया था जोरदार प्रदर्शन

सकल हिंदू समाज के कार्यकर्ताओं ने विवेकानंद चौराहे पर जोरदार प्रदर्शन कर नारेबाजी की थी। प्रदर्शन में विधायक मुकेश टंडन भी शामिल हुए थे। प्रदर्शनकारियों ने आरोपी चंदू मियां के खिलाफ कठोर कार्रवाई, आरा मशीन बंद कराने और उसके कथित अवैध निमार्णों पर बुलडोजर चलाने की मांग की थी।



काउंसलिंग और वीडियो बयान के बाद एफआईआर दर्ज

एसपी रोहित काशवानी ने बताया कि कोतवाली थाना क्षेत्र की नाबालिग के मेडिकल कॉलेज में भर्ती होने की सूचना मिली थी। इसके बाद बाल कल्याण समिति की टीम और एसडीओपी गंजबासौदा ने किशोरी की काउंसलिंग की। किशोरी के वीडियोग्राफी के साथ बयान भी दर्ज किए गए। प्रारंभिक जांच में उसके साथ गलत कार्य होने की बात सामने आई है।

आरोपी विशाल किरार के खिलाफ धारा 123, 64(1) और पॉक्सो एक्ट की धारा के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने उसी रात आरोपी को अभिरक्षा में ले लिया। पीड़िता के धारा 183 के तहत न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान भी दर्ज कराए गए हैं। अभिभाषक संघ ने फैसला लिया है कि आरोपी चंदू मिया के पक्ष में कोई भी वकील वकालात नहीं करेगा।

केंद्रीय मंत्री शिवराजसिंह चौहान ने कहा कार्रवाई हो

केंद्रीय मंत्री शिवराजसिंह चौहान ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डाली जिसमें कहा गया कि मेरे संज्ञान में घटना आई है कि एक 16 वर्षीय बालिका के साथ में रेप की घटना हुई है। जिसमें एफआईआर नहीं हुई है। इसमें एफआईआर कर आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए और यदि एफआईआर में कोई लापरवाही बरती गई है, तो उस पर भी कार्रवाई की जाए। बेटी को न्याय मिलना चाहिए।

दोनों घटनाओं से पूरा शहर शर्मसार हुआ:विधायक

विधायक मुकेश टंडन ने कहा कि यह किसी एक समुदाय का नहीं, बल्कि पूरे शहर का मामला है। घटना से पूरा शहर शर्मसार हुआ है।

संपादकीय

सरकारी भुगतान प्रणालियों की खामियों को करें दूर

साइबर अपराधी बैंकिंग व्यवस्था और सरकारी भुगतान प्रणालियों की खामियों का फायदा उठाकर ठगी की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। सरकारी खातों में जनता की गाढ़ी कमाई से जुटाया टैक्स और विकास योजनाओं का पैसा जमा होता है। साइबर ठग इन खातों से बड़ी रकम निकासी में कामयाब हो जाएं तो यह महज आर्थिक नुकसान ही नहीं बल्कि कल्याणकारी विकास योजनाओं की रफ्तार को भी प्रभावित करती है। तमिलनाडु के ग्रामीण विकास विभाग के तीन पंचायतों के खातों से 22.10 करोड़ रुपए की साइबर ठगी इसका ताजा उदाहरण है। इससे पहले पुडुचेरी के महात्मा गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज के बैंक खातों से 200 कर्मचारियों की 8.84 करोड़ रुपए की राशि उड़ा ली गई थी। ये घटनाएं बताती हैं कि साइबर अपराधी अब सरकारी भुगतान प्रणालियों में भी सेंध लगाने लगे हैं।चिंताजनक पहलू यह है कि ऐसे खातों से अपराधी एक ही बार में करोड़ों रुपए निकालने में सफल हो रहे हैं तो यह हमारी सुरक्षा व्यवस्था की गंभीर खामी का संकेत है। डिजिटल लेन-देन को सुरक्षित बनाने के लिए केवल पासवर्ड और ओटीपी की व्यवस्था पर्याप्त नहीं रह गई है। साइबर अपराधी फिशिंग, फर्जी लिंक, खाते की जानकारी चुराने और सिस्टम में सेंध लगाने के नए-नए तरीके अपना रहे हैं। ऐसे में सरकारी विभागों के भुगतान प्लेटफॉर्म और बैंकिंग नेटवर्क की नियमित सुरक्षा जांच जरूरी है।सरकारी खातों में बहुस्तरीय प्रमाणीकरण लागू किया जाना चाहिए। बड़ी रकम के लेन-देन के लिए एक से अधिक अधिकृत अधिकारियों की मंजूरी अनिवार्य हो। भुगतान की सीमा तय करने के साथ असामान्य लेन-देन पर तत्काल रोक लगाने वाली व्यवस्था भी विकसित की जानी चाहिए। मसलन, किसी खाते से अचानक सामान्य से कई गुना अधिक रकम निकाली जाती है या किसी नए खाते में बड़ी राशि भेजी जाती है तो बैंक का सिस्टम उसे संदिग्ध मानकर तत्काल अलर्ट जारी करे और जरूरत पडऩे पर लेन-देन रोक दे। साइबर सुरक्षा केवल तकनीकी व्यवस्था का विषय नहीं है। सरकारी विभागों के कर्मचारियों और बैंक अधिकारियों को भी नियमित प्रशिक्षण देना होगा। इसके अलावा प्रत्येक विभाग में साइबर सुरक्षा के लिए जिम्मेदार अधिकारी और त्वरित कार्रवाई करने वाली टीम होनी चाहिए।डिजिटल व्यवस्था पर जनता का भरोसा बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी है। तकनीक का विस्तार जितनी तेजी से हो रहा है, उसकी सुरक्षा भी उसी अनुपात में मजबूत करनी होगी। सरकारी खजाने पर साइबर अपराधियों का हमला दरअसल जनता के पैसे पर हमला है। इसलिए साइबर सुरक्षा को खर्च नहीं, बल्कि सार्वजनिक धन की सुरक्षा में निवेश के रूप में देखा जाना चाहिए।

एक सर्वर की खामोशी से ठहर गई दुनिया

भारत सहित दुनिया में करोड़ों कम्प्यूटर गुरुवार रात करीब 11 बजे ठप हो गए। माइक्रोसॉफ्ट के इंजन में गड़बड़ी के कारण माइक्रोसॉफ्ट की %टीम%, %आउटलुक% और %को-पॉयलट% सहित कई सेवाएं प्रभावित हुईं। यह कोई मामूली गड़बड़ी नहीं है। दुनिया के 74 से ज्यादा देश इससे परेशान हुए। माइक्रोसॉफ्ट 365 के करीब 43 करोड़ उपयोगकर्ता हैं। इसके प्रभाव का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि स्कूलों को अभिभावकों से कहना पड़ा कि ई-मेल नहीं, फोन करें। ब्रिटिश संसद को वैकल्पिक संचार-व्यवस्था अपनानी पड़ी। बैंकिंग और हवाई सेवाओं पर भी असर दिखा। भारत में प्रमुख एयरलाइनों ने अपने ग्राहकों से कहा कि वह ई-मेल पर संपर्क नहीं कर पाएगी। दफ्तरों में काम प्रभावित हुआ। भारत के लिए यह चेतावनी और भी गंभीर है। दुनियाभर के ग्राहकों को चौबीसों घंटे सेवा देने वाली हमारी आइटी और बीपीओ कंपनियां संवाद के लिए इन्हीं साधनों पर निर्भर हैं।चैटजीपीटी% और %क्लॉड% जैसे एआइ सहायकों के माइक्रोसॉफ्ट 365 कनेक्टर भी इस आउटेज में प्रभावित हुए। नतीजतन एक कड़ी टूटी तो पूरा सिस्टम हिल गया। इससे आर्थिक नुकसान का अंदाजा लगाना मुश्किल है।ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। जनवरी 2023 में नेटवर्क कॉन्फिगरेशन की गड़बड़ी से और नवंबर 2024 में एक्सचेंज ऑनलाइन की दिक्कत से दुनियाभर में %आउटलुक% और %टीम% सेवाएं ठप हुई थीं। इसी वर्ष जनवरी में भी दो अलग दिनों पर ऐसा ही हुआ। बार-बार दोहराई जाने वाली चूक को %तकनीकी खामी% कहकर टाल देना जिम्मेदारी से मुंह मोडऩा है। हैरानी की बात यह भी है कि 15 घंटे से ज्यादा तक इस समस्या पर पूरी तरह काबू नहीं पाया जा सका। तकनीकी गड़बड़ी पर नियंत्रण पाने में इतना लंबा समय कभी नहीं लगा था। शुक्रवार शाम तक सेवाओं की पूर्ण बहाली की पुष्टि नहीं हुई थी। इसकी सबसे ज्यादा कीमत छोटे कारोबारियों और स्टार्टअप्स को चुकानी पड़ती है, जिनके पास न अलग आइटी टीम होती है, न वैकल्पिक व्यवस्था।यह समस्या समय के साथ गुजर जाएगी पर सवाल यह है कि हम इसके मुकाबले के लिए कितने तैयार होंगे? डिजिटल इंडिया की इमारत तभी टिकाऊ होगी जब उसकी नींव झटके सह सके। कुछ जरूरी उपाय करने होंगे। माइक्रोसॉफ्ट जैसी कंपनियां ऐसे आउटेज के वास्तविक कारणों का खुलासा करे ताकि देश उसके लिए तैयार रह सकें। इंटेलिजेंस की बढ़ती धमक में इंसानी इंटेलिजेंस की उपेक्षा न हो। हर संस्था के पास आपात संचार व्यवस्था हो। वैकल्पिक ई-मेल, मैसेजिंग ऐप और फोन का नियमित अभ्यास चलता रहे। जरूरी दस्तावेज और संपर्क ऑफलाइन भी सहेजे जाएं। अहम सेवाओं में एक ही विदेशी प्लेटफॉर्म पर निर्भरता घटाई जाए और मल्टी-क्लाउड की रणनीति अपनाते हुए भरोसेमंद स्वदेशी विकल्पों को बढ़ावा दिया जाए। फ्रांस और जर्मनी ने इसकी शुरुआत भी कर दी है।

श्रमिकों की सुरक्षा में कोताही चिंताजनक

भारत दुनिया का विनिर्माण केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मोबाइल फोन से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर तक, दुनिया की बड़ी कंपनियों को भारत में उत्पादन बढ़ाने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। सरकार निवेश के लिए जमीन, बिजली, रियायतें और सुविधाएं उपलब्ध करा रही है, लेकिन तमिलनाडु के होसुर में आईफोन बनाने वाली इकाई से जुड़ी औद्योगिक दुर्घटना ने इस विकास की एक दूसरी तस्वीर भी सामने रखी है। अपशिष्ट जल संयंत्र की टंकी में काम करने के दौरान तीन ठेका कर्मचारियों की दम घुटने से मौत हो गई। शुरुआती जांच में सुरक्षा इंतजामों की कमी की बात सामने आई है। ऐसे हादसों से यह सवाल उठना लाजिमी है कि उत्पादन बढ़ाने की इस दौड़ में क्या श्रमिकों की सुरक्षा भी उतनी ही प्राथमिकता में है?यह कोई ऐसा खतरा नहीं था, जिसके बारे में दुनिया को जानकारी न हो। बंद टंकियों, सीवेज चैंबर और औद्योगिक अपशिष्ट संयंत्रों में जहरीली गैसों का जोखिम लंबे समय से पहचाना गया है। अमरीका के व्यावसायिक सुरक्षा मानकों में ऐसी जगहों पर प्रवेश से पहले गैस और ऑक्सीजन की जांच, पर्याप्त वेंटिलेशन, लिखित अनुमति, बाहर निगरानी करने वाले प्रशिक्षित कर्मचारी और आपातकालीन बचाव की व्यवस्था अनिवार्य है।एप्पल के अपने सप्लायर सुरक्षा मानक भी बंद जगहों में काम करने के जोखिम और सुरक्षा प्रक्रियाओं को रेखांकित करते हैं। इसके बावजूद उसके भारतीय सप्लाई नेटवर्क से जुड़ी इकाई में ऐसी घटना होना गंभीर सवाल खड़े करता है। क्या सुरक्षा मानकों का पालन केवल मुख्य उत्पादन इकाई तक सीमित है? क्या ठेकेदारों और उपठेकेदारों के स्तर पर भी इनकी पालना उतनी ही सख्ती से लागू हो पाती है? भारत में भी औद्योगिक सुरक्षा के लिए कानून और नियमों की कमी नहीं है। समस्या उनके प्रभावी क्रियान्वयन की है। ठेका श्रमिकों के मामले में यह जिम्मेदारी अक्सर कई एजेंसियों के बीच बंट जाती है। काम किसी ठेकेदार को दिया जाता है, वह आगे किसी दूसरी एजेंसी को सौंप देता है और दुर्घटना होने पर जवाबदेही की परतें खुलने लगती हैं। लेकिन किसी भी श्रमिक की सुरक्षा की जिम्मेदारी इस तरह एक-दूसरे पर नहीं डाली जा सकती। जांच में यह स्पष्ट होना चाहिए कि टंकी में प्रवेश की अनुमति किसने दी, गैस की जांच हुई या नहीं, सुरक्षा उपकरण उपलब्ध थे या नहीं और आपातकालीन बचाव की व्यवस्था क्यों प्रभावी नहीं रही।निवेश आकर्षित करना विकास का एक पक्ष है, सुरक्षित रोजगार देना उसकी अनिवार्य शर्त। बड़ी कंपनियों को सुविधाएं देने के साथ उनके सप्लायरों और ठेकेदारों के सुरक्षा रिकॉर्ड की भी नियमित जांच होनी चाहिए।

हरिप्रबोधिनी एकादशी का व्रत स्मार्त सम्प्रदाय (सामान्य गृहस्थ) के लोग 20 नवंबर, शुक्रवार को तथा वैष्णव सम्प्रदाय के श्रद्धालु 21 नवंबर, शनिवार को रखेंगे-महंत रोहित शास्त्री

जम्मू-कश्मीर, सनातन धर्म में कार्तिक मास का विशेष धार्मिक एवं आध्यात्मिक महत्व है। कार्तिक शुक्ल पक्ष की एकादशी को हरिप्रबोधिनी एकादशी, देवोत्थान एकादशी अथवा देवउठनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन भगवान विष्णु चार माह की योगनिद्रा से जागृत होते हैं। इसी के साथ मांगलिक एवं शुभ कार्यों का पुनः शुभारंभ होता है। इस पावन अवसर पर तुलसी विवाह का भी विशेष धार्मिक महत्व है।

श्री कैलख ज्योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं ज्योतिषाचार्य महंत रोहित शास्त्री ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष एकादशी तिथि 20 नवंबर 2026 को सुबह 7 बजकर 16 मिनट पर प्रारंभ होगी तथा 21 नवंबर 2026 को सुबह 6 बजकर 32 मिनट पर समाप्त होगी।

हरिप्रबोधिनी एकादशी का व्रत स्मार्त सम्प्रदाय (सामान्य गृहस्थ श्रद्धालु) के लोग 20 नवंबर, शुक्रवार को तथा वैष्णव सम्प्रदाय के श्रद्धालु 21 नवंबर, शनिवार को रखेंगे।

स्मार्त एवं वैष्णव सम्प्रदाय के व्रत में अंतर

महंत रोहित शास्त्री ने बताया कि हरिप्रबोधिनी एकादशी का व्रत सम्प्रदाय एवं दीक्षा परंपरा के अनुसार अलग-अलग तिथियों में रखा जाएगा।

1. स्मार्त सम्प्रदाय- सामान्य गृहस्थ श्रद्धालु एवं स्मार्त सम्प्रदाय के गुरुजनों से दीक्षा प्राप्त करने वाले भक्तजन 20 नवंबर, शुक्रवार को एकादशी का व्रत रखेंगे।

2. वैष्णव सम्प्रदाय- वैष्णव सम्प्रदाय के गुरुजनों से दीक्षा प्राप्त करने वाले श्रद्धालु 21 नवंबर, शनिवार को हरिप्रबोधिनी एकादशी का व्रत रखेंगे।

उन्होंने स्पष्ट किया कि जिन श्रद्धालुओं ने स्मार्त सम्प्रदाय के गुरु से दीक्षा ग्रहण की है, वे 20 नवंबर को तथा जिन श्रद्धालुओं ने वैष्णव सम्प्रदाय के गुरु से दीक्षा ग्रहण की है, वे 21 नवंबर को एकादशी का व्रत रखें।वैष्णव किसे कहा जाता है?वैष्णव परंपरा में उन श्रद्धालुओं को वैष्णव माना जाता है, जिन्होंने वैष्णव गुरु से दीक्षा ग्रहण की हो तथा गुरु परंपरा के अनुसार कंठी अथवा तुलसी की माला धारण की हो। इसके अतिरिक्त मस्तक एवं गले पर चंदन, गोपीचंदन, श्रीखंड, त्रिपुण्ड्र, ऊर्ध्वपुण्ड्र अथवा विष्णुचरण आदि के चिह्न धारण करने की परंपरा भी प्रचलित है।वहीं, तुलसी विवाह 20 नवंबर, शुक्रवार को श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शास्त्रों के अनुसार, कार्तिक शुक्ल एकादशी से कार्तिक पूर्णिमा तक भगवान विष्णु की परम प्रिय तुलसी का विवाह भगवान शालिग्राम जी के साथ संपन्न कराने का विशेष विधान है। मुख्य रूप से कार्तिक शुक्ल एकादशी के दिन प्रदोष काल में तुलसी विवाह एवं पूजन करना शुभ माना गया है।तुलसी विवाह का शुभ मुहूर्त

इस वर्ष 20 नवंबर, शुक्रवार को तुलसी विवाह का शुभ समय शाम 5 बजकर 20 मिनट से 6 बजकर 54 मिनट तक रहेगा। इसके पश्चात भद्रा काल प्रारंभ होगा। शास्त्रों के अनुसार भद्रा काल में विवाह एवं अन्य मांगलिक कार्य करना वर्जित माना गया है। इसलिए श्रद्धालुओं



को निर्धारित शुभ मुहूर्त में ही तुलसी विवाह संपन्न करना चाहिए।इस प्रकार करें तुलसी विवाहमहंत रोहित शास्त्री ने बताया कि तुलसी विवाह के दिन तुलसी के पौधे को सुंदर वस्त्रों एवं आभूषणों से सजाना चाहिए। तुलसी के पौधे के चारों ओर गन्ने का मंडप बनाकर तुलसी माता को चुनरी अथवा ओढ़नी अर्पित करनी चाहिए। इसके बाद भगवान शालिग्राम जी को तुलसी के समीप स्थापित करके विधि-विधान से विवाह संपन्न करवाना चाहिए।

तुलसी पूजन के समय श्रद्धालुओं को निम्न मंत्र का जाप करना चाहिए–

तुलस्यै नमः।अगले दिन पुनः तुलसी माता एवं भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना करके ब्राह्मण को भोजन करवाना चाहिए तथा स्वयं भोजन ग्रहण कर व्रत का पारण करना चाहिए। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, तुलसी के स्वतः गिरे हुए पत्तों का सेवन भी शुभ माना गया है। इस अवसर पर गन्ना, आंवला एवं बेर आदि का सेवन करने की भी परंपरा है।

तुलसी का धार्मिक, आध्यात्मिक एवं औषधीय महत्व

महंत रोहित शास्त्री ने बताया कि तुलसी का पौधा धार्मिक, आध्यात्मिक एवं आयुर्वेदिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। सनातन धर्म में तुलसी को माता का दर्जा दिया गया है। जिस घर में तुलसी का पौधा स्थापित होता है, वहां नियमित पूजन से सकारात्मक एवं आध्यात्मिक वातावरण बना रहता है। तुलसी पर्यावरण की शुद्धता एवं स्वास्थ्य की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण मानी जाती है।तुलसी का पौधा घर में सकारात्मक ऊर्जा एवं सुख-शांति का प्रतीक माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यह वास्तुदोषों के निवारण में भी सहायक माना गया है। भारतीय परंपरा में जन्म से लेकर जीवन के अंतिम संस्कारों तक तुलसी का विशेष महत्व रहा है।कन्या के विवाह में विलंब होने पर तुलसी पूजनमहंत रोहित शास्त्री ने बताया कि धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यदि किसी कन्या के विवाह में अनावश्यक विलंब हो रहा हो तो घर के अग्निकोण (दक्षिण-पूर्व दिशा) में तुलसी का पौधा लगाकर कन्या द्वारा नियमित रूप से श्रद्धापूर्वक तुलसी माता का पूजन करना शुभ फलदायी माना जाता है। मान्यता है कि इससे विवाह संबंधी बाधाएं दूर होने तथा अनुकूल स्थान पर विवाह के योग बनने में सहायता मिलती है।

तुलसी के विभिन्न प्रकार

शास्त्रों एवं परंपराओं में तुलसी के विभिन्न प्रकारों का उल्लेख मिलता है। इनमें श्रीकृष्ण तुलसी, राम तुलसी, लक्ष्मी तुलसी, श्यामा तुलसी, वन तुलसी, भू तुलसी एवं रक्त तुलसी आदि प्रमुख हैं।

एकादशी के दिन तुलसी के पत्ते न तोड़ें

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, एकादशी, रविवार तथा सूर्यग्रहण एवं चंद्रग्रहण के समय तुलसी के पत्ते नहीं तोड़ने चाहिए। इसके अतिरिक्त रात्रि में एवं बिना किसी आवश्यकता के भी तुलसी के पत्ते तोड़ने से बचना चाहिए।

घर में सखा तुलसी का पौधा न रखें

यदि घर में लगा तुलसी का पौधा सूख जाए तो धार्मिक परंपरा के अनुसार उसे सम्मानपूर्वक किसी पवित्र नदी अथवा बहते जल में प्रवाहित करना चाहिए। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, घर में सूखा तुलसी का पौधा रखना शुभ नहीं माना जाता।

शिवजी एवं गणेशजी की पूजा में तुलसी वर्जित

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान शिव एवं भगवान गणेश की पूजा में तुलसी के पत्तों का प्रयोग वर्जित माना गया है। इसके पीछे पुराणों में विभिन्न धार्मिक कथाओं एवं मान्यताओं का उल्लेख मिलता है।

तुलसी नामाष्टक मंत्र

वृन्दा वृन्दावनी विश्वपूजिता विश्वपावनी।

पुष्पसारा नन्दनीया तुलसी कृष्णजीवनी॥

एतन्नामाष्टकं चैव स्तोत्रं नामार्थसंयुतम्।

यः पठेत्तां च सम्पूज्य सोऽश्वमेधफलं लभेत॥

अंत में महंत रोहित शास्त्री ने समस्त श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे हरिप्रबोधिनी एकादशी एवं तुलसी विवाह के पावन अवसर पर भगवान विष्णु एवं तुलसी माता की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करें तथा अपने घरों में तुलसी का पौधा लगाकर भारतीय संस्कृति, सनातन परंपराओं एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

भोपाल में 22 नवंबर को गूंजेगा संत नामदेव महाराज का जयघोष, 756वीं जयंती पर सांसद, विधायक एवं महापौर होंगे शामिल

भोपाल, भक्ति, श्रद्धा, सामाजिक समरसता और आध्यात्मिक चेतना के प्रतीक संत शिरोमणि श्री नामदेव जी महाराज की 756वीं पावन जयंती के उपलक्ष्य में रविवार, 22 नवंबर 2026 को नामदेव समाज विकास परिषद मध्य प्रदेश के तत्वावधान में भोपाल में भव्य सामूहिक जयंती समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम संत नामदेव सामुदायिक भवन, 12 दफ्तर, जवाहर चौक, भोपाल में संपन्न होगा।

इस गरिमामय समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भोपाल संसदीय क्षेत्र के सांसद आदरणीय श्री आलोक शर्मा जी, दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के विधायक माननीय श्री भगवानदास सबनानी जी, भोपाल की प्रथम नागरिक एवं महापौर आदरणीय श्रीमती मालती राय जी तथा मध्य प्रदेश परशुराम कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष आदरणीय श्री विष्णु राजोरिया जी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

समारोह में संत शिरोमणि नामदेव महाराज के जीवन दर्शन, उनकी ईश्वर भक्ति, आध्यात्मिक विचारधारा और मानवता, प्रेम, समानता एवं सामाजिक सद्भाव के संदेश का स्मरण किया जाएगा।

नामदेव समाज विकास परिषद मध्य प्रदेश के प्रांतीय मीडिया प्रभारी शिवरतन नामदेव ने बताया कि परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष राजेंद्र कुमार नामदेव, महामंत्री सुभाष चंद्र वर्मा, कोषाध्यक्ष भीकम सिंह नामदेव सहित मध्य प्रदेश एवं भोपाल के समस्त पदाधिकारियों और समाजबंधुओं के अथक परिश्रम, समर्पण एवं सामूहिक सहयोग से अल्प समय में अनेक सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियां आयोजित की गई हैं। इसी क्रम में संत नामदेव महाराज की 756वीं जयंती को भव्य एवं गरिमामय स्वरूप प्रदान करने के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं।

उन्होंने बताया कि इस पावन अवसर पर भोपाल सहित प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से समाजबंधु सपरिवार सम्मिलित होंगे। आयोजन का उद्देश्य संत नामदेव महाराज के भक्ति मार्ग, मानवता, प्रेम, समानता और सामाजिक एकता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना तथा नई पीढ़ी को अपनी संत परंपरा एवं सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना है।

जयंती समारोह का कार्यक्रम

रविवार, 22 नवंबर 2026 को निर्धारित कार्यक्रम इस प्रकार रहेगा–



प्रातः 9 बजे- भव्य चल समारोह।

प्रातः 10 बजे- पूजन-अर्चन, आरती, अतिथि परिचय एवं स्वागत।

प्रातः 11 बजे- विभिन्न प्रतियोगिताओं का शुभारंभ।

दोपहर 1 बजे- सांस्कृतिक कार्यक्रम।

दोपहर 3 बजे- विशेष आकर्षण

सर्वश्रेष्ठ आरती थाली प्रतियोगिता

प्रथम पुरस्कार ?2,101/- (एक थाली) - द्वितीय पुरस्कार ?1,101/- (दो थालियाँ)

-आकर्षक नकद पुरस्कार तृतीय पुरस्कार - ?501/- (चार थालियों) पुरस्कार वितरण।

सायं 4 बजे- भंडारा एवं प्रसाद वितरण।

सायं 5 बजे- युवक-युवती परिचय सम्मेलन, आभार एवं समापन।

इंदौर के श्री मुकेश नामदेव एवं उनके परिवार के सौजन्य से प्रातः 10 बजे रुक्मिणी जी की स्थापना का धार्मिक कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा।

आयोजन की जिम्मेदारियां

समारोह के कार्यक्रम संयोजक दीपक नामदेव (बिल्डकॉन), सह-संयोजक जीवन नामदेव, कार्यक्रम प्रभारी नवीन नामदेव, कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. एच. वी. नामदेव, उपाध्यक्ष एन. पी. नामदेव एवं कोषाध्यक्ष भीकम सिंह नामदेव रहेंगे।

मुख्य संरक्षक मुकेश नामदेव, प्रांतीय अध्यक्ष राजेंद्र कुमार नामदेव, प्रांतीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय नामदेव एवं प्रांतीय महामंत्री सुभाष चंद्र वर्मा के मार्गदर्शन में आयोजन की व्यवस्थाएं संचालित की जा रही हैं।

संरक्षक मंडल में दयाराम नामदेव, अवध नारायण नामदेव, जी. एस. चंद्रा, एम. एल. नामदेव, अवधेश नामदेव, बी. डी. नामदेव, एस. के. नामदेव, विजय जानोरिया, मंगेश नामदेव एवं भागीरथ नामदेव शामिल हैं।

विशेष सलाहकार के रूप में सतीश वर्मा (पूर्व डीएसपी), एडवोकेट अजय नामदेव, विष्णु दयाल नामदेव,ओ. पी. नामदेव, तरुण चूड़ामणि नामदेव, उमेश नामदेव, हरिशंकर नामदेव, प्रकाश वर्मा, प्रदीप वर्मा, बृजेश नामदेव, एन. पी. नामदेव (चिरमिरी), डॉ. राजेंद्र नामदेव, राजेश नामदेव (ठीकरी), नागेश नामदेव, सुरेश नामदेव, कैलाश कुमार नामदेव, कैलाश चंद्र नामदेव, अजय नामदेव, दीपक नामदेव (बैरसिया), विवेक नामदेव (ट्रीमैन), बृजेश सिलारपुरिया, संतोष नामदेव (भानपुर), बृजेश मांझे, तुलाराम नामदेव एडवोकेट,रामशरण नामदेव, हरीश नामदेव, अल्केश वैध एवं गोपाल नामदेव मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

विभिन्न समितियों को सौंपी गई जिम्मेदारियां

मंच व्यवस्था की जिम्मेदारी संजय नामदेव, दीपक नामदेव एवं प्रमोद बघेल नामदेव को दी गई है। अतिथि पंजीयन व्यवस्था में दीपक नामदेव (बैरागढ़), विकास नामदेव, नरेश नामदेव, विशाल नामदेव, प्रशांत नामदेव, मयंक नामदेव एडवोकेट एवं गंभीर नामदेव सहयोग करेंगे। अतिथि स्वागत का दायित्व अरुण नामदेव एवं नीलेश नामदेव संभालेंगे।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों का संचालन सरोज बाला नामदेव, शशिकांता नामदेव, डॉ. जया नामदेव, ज्योति नामदेव (सूत्रधार) एवं करुणेश नामदेव मंजू लता नामदेव एडवोकेट करेंगी। पूजन एवं आरती व्यवस्था में धर्मेंद्र वर्मा, सरिता वर्मा एवं भगवती नामदेव की सहभागिता रहेगी।

प्रचार-प्रसार एवं मीडिया का दायित्व शिवरतन नामदेव, , शिवशंकर नामदेव, शंभू सिंह नामदेव, सुनील नामदेव, राकेश नामदेव एवं मनोज नामदेव (इंजी.) को सौंपा गया है। मंदिर साज-सज्जा समिति में देवेंद्र नामदेव, कमल किशोर नामदेव एवं एन. पी. नामदेव शामिल रहेंगे।

भोपाल की करोंद, कोलार, भानपुर, बरखेड़ा पठानी, बैरागढ़ एवं जवाहर चौक क्षेत्रीय समितियों के पदाधिकारी एवं समाजबंधु भी आयोजन की सफलता के लिए सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। कार्यकारिणी एवं जिला कार्यकारिणी के सदस्य अतिथि सत्कार, आयोजन प्रबंधन, धार्मिक अनुष्ठान और सांस्कृतिक गतिविधियों में सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

युवक-युवती परिचय सम्मेलन रहेगा विशेष आकर्षण

समारोह का विशेष आकर्षण युवक-युवती परिचय सम्मेलन रहेगा। इसके कार्यक्रम प्रभारी अवधेश चंद्र नामदेव (डीएसपी), बृजेश मांझे (इंजी.), एडवोकेट सरोज बाला नामदेव, शशिकांता नामदेव, डॉ. अरविंद नामदेव, मनोज नामदेव (इंजी.) एवं एडवोकेट आशीष नामदेव रहेंगे। इस सम्मेलन के माध्यम से विवाह योग्य युवक-युवतियों एवं उनके परिवारों को परिचय और संवाद का अवसर मिलेगा।

युवक-युवती परिचय सम्मेलन से संबंधित जानकारी एवं पंजीयन के लिए कार्यक्रम प्रभारी एवं मीडिया प्रभारी से निम्नलिखित मोबाइल नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं।

कार्यक्रम प्रभारी- श्री अवधेश चंद्र नामदेव (रिटायर्ड डीएसपी) मोबाइल- 9425666779

मीडिया प्रभारी- श्री शिवरतन नामदेव मोबाइल- 9424467865 कार्यक्रम आयोजकों ने समस्त नामदेव समाजबंधुओं से आग्रह किया है कि वे अपने परिवार सहित इस पावन समारोह में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर संत शिरोमणि श्री नामदेव जी महाराज का आशीर्वाद प्राप्त करें तथा धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक एकता के इस महापर्व को अपनी सहभागिता से ऐतिहासिक एवं सफल बनाएं।

जानकारी

सैलरी और पेंशन पर आ सकता है बड़ा अपडेट

नई दिल्ली. केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए बड़ी खबर सामने आई है. 8वें वेतन आयोग ने अपने देशव्यापी दौरे के तहत उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 22 और 23 जून को अहम बैठक तय की है. इस बैठक में केंद्रीय सरकारी संस्थानों, कर्मचारी यूनियनों और संगठनों की मांगों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी.आयोग का मकसद कर्मचारियों की समस्याओं और सुझावों को सीधे सुनना है ताकि नई वेतन संरचना तैयार करते समय कर्मचारियों की जरूरतों को ध्यान में रखा जा सके. आयोग ने स्पष्ट किया है कि लखनऊ बैठक में शामिल होने के लिए उत्तर प्रदेश की कर्मचारी यूनियनों को 10 जून 2026 तक एनआईसी पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा.आयोग ने अपॉइंटमेंट प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाया है. यूनियनों को पहले अपना मांग पत्र आयोग के आधिकारिक पोर्टल पर अपलोड करना होगा. मांग पत्र सफलतापूर्वक जमा होने के बाद एक यूनिक मेमो आईडी जारी की जाएगी. इसी मेमो आईडी के जरिए यूनियनें बैठक के लिए अपॉइंटमेंट ले सकेंगी.इस बीच आयोग ने सभी केंद्रीय कर्मचारी यूनियनों और पेंशनर्स एसोसिएशन्स से 31 मई 2026 तक अपनी सिफारिशें और मांग पत्र जमा करने को कहा है.

देश के बड़े कर्मचारी संगठन जैसे एनसी-जेसीएम और एआईडीईएफ

शिक्षा

तराई की खुशबू से भरपूर लखीमपुर खीरी के कच्चे केले के कोफ्ते

उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा जिला लखीमपुर खीरी सिर्फ अपनी हरियाली, तराई और गन्ने की खेती के लिए ही नहीं, बल्कि अपने पारंपरिक स्वादों के लिए भी खास पहचान रखता है. नेपाल सीमा से सटे इस इलाके की रसोई में मिट्टी की सोंधी खुशबू, देसी मसालों का संतुलन और घर जैसा स्वाद हर व्यंजन में महसूस होता है. इन्हीं पारंपरिक व्यंजनों में ÷कच्चे केले के कोफ्ते÷ ऐसी शाही डिश मानी जाती है, जो आज भी यहां के केले का इस्तेमाल सिर्फ साधारण सब्जी के रूप में नहीं, बल्कि बेहद खास अंदाज में किया जाता है. यहां बनने वाले केले के कोफ्ते इतने मुलायम और रेशमी होते हैं कि मुंह में जाते ही घुल जाते हैं. इस डिश की सबसे बड़ी खासियत इसका संतुलित स्वाद है, जिसमें मसाले केले के प्राकृतिक स्वाद को दबाते नहीं बल्कि उसे और निखार देते हैं.सबसे पहले कच्चे केलों को हल्का उबाल लें. ध्यान रखें कि केले पूरी तरह गलें नहीं, बस इतने नरम हो जाएं कि आसानी से मैश किए जा सकें. अब केले का छिलका हटाकर उन्हें अच्छे से मैश करें. इसमें भुना बेसन, हरी मिर्च, अदरक, अजवाइन, हींग, नमक और लाल मिर्च डालकर मिश्रण तैयार करें.

34 लाख रुपये तक की कटौती, भारत में असेंबलिंग शुरू होते ही बदले दाम

नई दिल्ली. लग्जरी खरीदने की योजना बना रहे ग्राहकों के लिएको लेकर बड़ी खबर सामने आई है. ने भारत में अपनी लोकप्रिय ऑफ-रोड की लोकल असेंबली शुरू कर दी है. इसके बाद कंपनी ने चुनिंदा वेरिएंट की कीमतों में 34 लाख रुपये तक की कटौती की है. कीमतों में इस बदलाव से पहले के मुकाबले अधिक किफायती हो गई है, हालांकि यह अब भी प्रीमियम लग्जरी श्रेणी में आती है. कंपनी अब महाराष्ट्र के पुणे स्थित अपने मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में 110 के चुनिंदा वेरिएंट को असेंबल कर रही है. पहले इन गाड़ियों को पूरी तरह निर्मित यूनिट यानी ष्टक्र के रूप में विदेश से भारत लाया जाता था. लोकल असेंबली से आयात लागत में कमी आने की उम्मीद है, जिसका फायदा ग्राहकों को कम कीमत के रूप में मिला है. नई कीमतों के साथ एक बार फिर भारतीय लग्जरी बाजार में चर्चा का विषय बन गई है.कीमतों में आई कमी का सबसे बड़ा कारण इसकी भारत में लोकल असेंबली को माना जा रहा है. अब तक कंपनी इस को स्लोवाकिया से पू

राजकीय महाविद्यालय पाटन में नशा मुक्ति हेतु नशा मुक्त भारत अभियान गोष्ठी का आयोजन

शिंभू सिंह शेखावत। सिटी चीफ

नीमकाथाना (राजस्थान), नीमकाथाना के निकट पाटन महाविद्यालय में आज नशा मुक्ति हेतु नशा मुक्त भारत अभियान गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसकी प्राचार्य डॉक्टर मदन लाल मीणा ने की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विधार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना और नशा मुक्त जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ मनोज कुमार, आयुष चिकित्सक, राजकीय आयुष चिकित्सालय, पाटन रहे। डॉ मनोज कुमार ने नशा के प्रकार और उनसे बचने के उपायों पर विचार रखे। उन्होंने कहा कि ÷ कोई दोस्त या पारिवारिक परिचित मजाक,शर्त में या एक बार कोशिश करने को कहे तो साफ व आत्मविश्वास के साथ न बोलें। आवश्यकता पड़े तो बातचीत का विषय बदल दें। ÷

क्योंकि तम्बाकू, शराब और दूसरे नशे शरीर और दिमाग दोनों को नुकसान पहुंचाते हैं। इसका सीधा असर पढाई, कैरियर और परिवार पर पड़ता है। इसके साथ ही स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के लिए व्यायाम और संयमित भोजन की महत्ता पर जोर दिया।

नशा मुक्ति अभियान की रीढ दस सखा- सखियों को अतिथि के



कर कमलों से नशा मुक्ति किट प्रदान किये गए। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्य मीना ने नशा और आदत पर प्रकाश डाला उन्होने कहा कि एक समय बाद हमारी छोटी छोटी आदतें नशा का रूप धारण कर लेती हैं, नशा केवल पेय पदार्थों का नहीं है, आपकी आदतें या व्यवहार में भी हो सकता है, उससे सावधान रहने की आवश्यकता है। नशा करने वाले दोस्तों के दबाव को ना कहना सीखें।

कार्यक्रम के अंत में विधार्थियों एवं शिक्षकों ने कभी नशा न करने की शपथ ली। कार्यक्रम का संचालन नशा मुक्ति केन्द्र प्रभारी, ज्योति शर्मा ने किया। इस दौरान महाविद्यालय संकाय सदस्य, किरण यादव, एवं महाविद्यालय संकाय सदस्य, किरण यादव ,सरोज गुर्जर, रितु शर्मा एवं हंसराज घौसल्या उपस्थित रहे।



गौशाला गुड़ा पातन में धूमधाम से मनाई गई गोपाष्टमी गुड़ा पातन गौशाला में आज गोपाष्टमी / गोपाल अष्टमी बड़ी धूमधाम से मनाई गई

मोहन सिंह। सिटी चीफ

अखनूर (जम्मू), इस मौके पर विधायक मोहनलाल भगत, पूर्व विधायक राजीव लिया। इस मौके पर सभी ने अपनी-अपनी आस्था के साथ गौ-पूजन और हवन में शामिल होकर इस दिन की महत्ता और मान्यता के बारे में जानकारी साझा की।

इसी के साथ गुड़ा पाटन गौशाला, जो रवि वर्मा की देखरेख में पिछले 12 सालों से चल रही है, इस गौशाला में बहुचर्चित देवस्थान मथवर के सेवक यश पाल शर्मा जी, विधायक मोहनलाल जी, पूर्व विधायक राजीव शर्मा जी, महामंडलेश्वर रामेश्वर दास जी ने कहा कि यह दिन हमारे सनातन के लिए बहुत बड़ी बात होती है और गौ माता में ही पूरे ब्रह्मांड समय हुआ है जन्म से लेकर मां तक हमारे सनातन में गौ माता को विशेष्य महत्व दिया गया है इसलिए पांच के दिन पूजा करना चाहिए और पूरे साल गौ माता की सेवा और उनके बचने का प्रयास जरूर करते रहना चाहिए इस मौके पर बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया।

इस मौके पर पीसीबी स्कूल के बच्चे और स्कू सुशील शर्मा भी बच्चों को लेकर वहां पहुंचे और बच्चों को गोपाष्टमी के बारे में जानकारी दी।

महामंडलेश्वर रामेश्वर दास पूर्व विधायक राजीव शर्मा ने और गौशाला के सेवक रवि बर्मा ने कहा कि गोपाष्टमी गौ-पूजन का सबसे बड़ा दिन होता है और गौ-माता की सेवा कर हम सभी सनातन धर्म को आगे बढ़ा रहे हैं। इस मौके पर राजू पलवलिया नंदकिशोर मोहन सिंह जमवाल प्रधानाचार्य लता शर्मा उप्राध्णचार्य बंदना जमाल सर्वजीत कौर अंबिका ब सोनिया डालिया मौजूद रहे।

नीमकाथाना के खेतड़ी रोड़ स्थित गोपाल गौशाला में आज गोपाष्टमी कार्यक्रम धूमधाम से आयोजित

शिंभू सिंह शेखावत। सिटी चीफ

नीम का थाना (राजस्थान), नीम का थाना में गोपाष्टमी के पर्व पर नीम का थाना के टैक्सी स्टैंड से शोभायात्रा में 2000 विद्यार्थी गोभक्त शामिल होकर शोभायात्रा की शोभा बढ़ाई शोभायात्रा को हरी झंडी माधव दास जी महाराज दौलत राम जी गोयल अशोक जी दाल मिल कौशल दत्त शर्मा ब्रजकिशोर शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर शोभायात्रा का शुभारंभ किया शोभायात्रा में जगह-जगह पर पुष्प वर्षा व पीने के पानी की व्यवस्था की गई। शोभायात्रा गोपाल गौशाला में पहुंचने पर कार्यक्रम की अध्यक्षता पंडित बृज किशोर जी शर्मा ने की विशिष्ट अतिथि माधव दास जी महाराज नरसिंहपुर धाम पंडित कौशल दत्त शर्मा लालचंद शर्माअशोक कुमार जी अग्रवाल दाल मिल वाले महेश कुमार जी मैं गोटिया अध्यक्ष नगर पालिका जयप्रकाश यादव उपाध्यक्ष नगर पालिका नीमकाथाना का सम्मान किया तथा झांकी प्रतियोगिता भाषण प्रतियोगिता तथा चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन कर विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया कार्यक्रम में दौलत राम जी गोयल अध्यक्ष गौशाला सत्यनारायण जी बहरोडिया मथुरा प्रसाद संगी राधेश्याम शर्मा सोहनलाल सोनी गिरधारी लाल शिव लक्ष्मण जी हलवाई दिनेश कुमार मगोटिया सुरेश कुमार यादव विमल कुमार जी भारद्वाज मुरारी लाल शिव फोटो स्टूडियो राजपाल यादव सरोज शर्मा व विभिन्न विद्यालय से पधारे हुए शिक्षक बांधों का सम्मान किया गोपाष्टमी अवसर पर 10 लाख 91 हजार रुपए प्राप्त हुए । कार्यक्रम के अंत में श्री दौलत राम गोयल अध्यक्ष गोपाल गौशाला ने सभी का आभार प्रकट किया ।



आगरा के सरला बाग टंकी वाला पार्क में श्रीमद्भागवत कथा के दौरान हुआ श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, गूंजे जयकारे

जितेंद्र पमनानी। सिटी चीफ

आगरा। दयालबाग स्थित सरला बाग टंकी वाला पार्क में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। कथा व्यास मुकेश आनंद जी महाराज ने कथा के दौरान जैसे ही भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का प्रसंग सुनाया तो पूरा कथा पंडाल भक्तिमय वातावरण से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की, के जयकारे लगाकर जन्मोत्सव की खुशियां मनाई।

इस अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप की सुंदर झांकी सजाई गई। भजन-कीर्तन और भक्तिमय संगीत के बीच श्रद्धालु भाव-विभोर होकर झूम उठे। महिलाओं और पुरुषों ने उत्साह के साथ श्रीकृष्ण जन्मोत्सव में भाग लिया। कथा व्यास ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की महिमा का वर्णन करते हुए उनके जीवन से मिलने वाली प्रेम, धर्म, सत्य और सदाचार की शिक्षाओं पर प्रकाश डाला।जन्मोत्सव के अवसर पर पूरा वातावरण भक्ति और उल्लास से सराबोर नजर आया। श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन कर परिवार और समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। अंत में श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया उदयभान सिंह,पार्षद भरत शर्मा, समाजसेवी नितिन कोहली, सहित गणमान्य लोग एवं आयोजन कर्ता,परीक्षित बीडी शर्मा, राज रानी शर्मा,पीयूष सारस्वत, प्रीति सारस्वत, एवं समिति सदस्य विशाल सक्सैना, विपिन शर्मा,अनिल सारस्वत, प्रवीन अग्रवाल,विजय मोहन,योगेश दिवाकर, अनुपम शर्मा,गुड्डन शर्मा, सीमा गर्ग, रीमा शर्मा,नेहा रेपुरिया इत्यादि मौजूद रहे।



खंडवा में दरगाह हटाने को लेकर शहर काजी और सिटी मजिस्ट्रेट के बीच तीखी बहस!...

सुशिल विधानी । सिटी चीफ

खंडवा, खंडवा के मानसिंग आईमिल चौराहे पर आज दोपहर को एक दरगाह हटाने के दौरान जमकर हंगामा हो गया । दरगाह हटाई जा रही थी, इसी बीच सैकड़ों मुस्लिम लोग जुट गए और विरोध करने लगे। लोग बड़ी संख्या में दरगाह के पास जमा हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंचे शहर काजी और सिटी मजिस्ट्रेट के बीच दरगाह को लेकर तीखी बहस भी हुई है। फिलहाल प्रशासन और मुस्लिम पक्ष के बीच बातचीत चल रही हैं। मौके पर शहरकाजी सहित सिटी मजिस्ट्रेट के साथ भारी पुलिस फोर्स तैनात है।

मानसिंग आईमिल की दीवार तोडी...CSP, ADM, सिटी मजिस्ट्रेट सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर मौजूद, कार्रवाई जारी...

सिटी मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर ने कहा कि, मास्टर प्लान के आधार पर रोड का चौड़ीकरण होना है। रास्ते में दरगाह का हिस्सा 8 से 10 फीट भीतर है। दरगाह से लगी मील की ऊंची दीवार है, जिसे तोड़ना है, दीवार का मलबा मजार पर गिरने से वह क्षतिग्रस्त हो सकती है, इसलिए सबसे पहले दरगाह के आसपास का अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही थी, बाद में दीवार को तोड़ा जाना था। इसे को लेकर नगर निगम की जेसीबी मशीन बुलाकर कार्रवाई की जा रही थी। लोगों को आपत्ति है, उन्हें बातचीत का मौका दिया है। कुछ देर बाद शहरकाजी सैयद निसार अली ने लोगों से शांति की अपील की। उन्होंने कहा कि उनकी बात सिटी मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर से हुई और यह दरगाह यथावत रहेगी नहीं हटाया जाएगा। इधर, प्रशासन ने दरगाह को छोड़कर मिल की दीवार तोड़ने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल सहित तीनों थाने के थाना प्रभारी सिटी मजिस्ट्रेट और नगर निगम की टीम मौके पर मौजूद है।

जेसीबी मशीन से मिट्टी मिलाकर किया गया नष्ट, अवैध रूप से गिट्टी का परिवहन करते वाहन को भी पकड़ा

अवैध रूप से भंडारित 500 घन मीटर रेत का किया गया विनष्टीकरण

संजीव कुमार निगम। सिटी चीफ

शहडोल, कलेक्टर श्री पार्थ जायसवाल के निर्देशन एवं खनिज अधिकारी के मार्गदर्शन में खनिज विभाग द्वारा पुलिस विभाग के सहयोग से अवैध खनिज उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में आज खनिज विभाग एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा तहसील ब्यौहारी अंतर्गत ग्राम सुखाड़ में विभिन्न स्थानों पर जांच की गई। जांच के दौरान अलग-अलग स्थानों पर लगभग 500 घन मीटर खनिज रेत का अवैध भंडारण पाया गया। इस पर संयुक्त टीम द्वारा जेसीबी मशीन के माध्यम से रेत में मिट्टी मिलाकर उसका विनष्टीकरण किया



गया। उक्त कार्रवाई प्रभारी खनि निरीक्षक द्वारा पुलिस विभाग के ग्राम मऊ में वाहन क्रमांक एमपी 18एच9105 को खनिज गिट्टी का अनधिकृत रूप से परिवहन करते हुए पकड़ा गया। वाहन को तहसील ब्यौहारी में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया है तथा खनिज नियमों के तहत अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।खनिज विभाग द्वारा ब्यौहारी तहसील अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर अंकुश लगाने के लिए लगातार जांच एवं कार्रवाई की जा रही है।

कोतवाली पुलिस को चोरों की खुली चुनौती! दीवार में सेंध लगाकर शंकर इलेक्ट्रिकल्स से 3 लाख की चोरी, 2 लाख नकदी समेत कीमती इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स पार

सुनील यादव। सिटी चीफ

कटनी, कटनी शहर में चोरों के हौसले बुलंद हैं। कोतवाली थाना क्षेत्र के व्यस्त सब्जी मंडी इलाके में चोरों ने एक इलेक्ट्रॉनिक रिपेयरिंग दुकान को निशाना बनाते हुए करीब 3 लाख रुपये की चोरी की सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया। चोर दुकान की दीवार तोड़कर अंदर दाखिल हुए और गल्ले में रखी करीब 2 लाख रुपये की नकदी के साथ 80 से 90 हजार रुपये कीमत के इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स लेकर फरार हो गए। रविवार को दुकान बंद होने का फायदा उठाकर चोरों ने इत्मीनान से वारदात को अंजाम दिया। शहर के बीचोंबीच हुई इस चोरी ने पुलिस की रात्रि गश्त और व्यापारिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जानकारी के अनुसार, बिलैया तलैया स्थित बजाज बैग हाउस के पास सब्जी मंडी की गली में शंकर इलेक्ट्रिकल्स नाम से एलईडी टीवी रिपेयरिंग की दुकान संचालित है। दुकान का संचालन शंकर लाल यादव और उनके बेटे समीर यादव करते हैं। शनिवार शाम करीब 7:30 बजे दुकान बंद कर दोनों घर चले गए थे। रविवार को दुकान बंद रहने का फायदा उठाते हुए अज्ञात चोरों ने दुकान की अंदरूनी दीवार में सेंध लगाई और अंदर प्रवेश कर गए। चोरों ने गल्ले में रखी करीब 2 लाख रुपये की नकदी पार कर दी। इसके अलावा एलईडी



टीवी की आईसी और अन्य कीमती इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स भी समेट ले गए, जिनकी कीमत लगभग 80 से 90 हजार रुपये बताई जा रही है। इस तरह चोरी में कुल नुकसान करीब 3 लाख रुपये आंका गया है।

सोमवार सुबह करीब 11:30 बजे जब दुकान संचालक दुकान खोलकर अंदर पहुंचे तो टूटी दीवार और बिखरा सामान देखकर उनके होश उड़ गए। दुकान में बड़े-बड़े एलईडी डिस्प्ले भी रखे हुए थे, लेकिन चोर उन्हें नहीं ले गए। दुकान संचालक के मुताबिक दीवार में छोटा छेद बनाकर किसी बच्चे को अंदर भेजे जाने की आशंका है, हालांकि चोरी का वास्तविक तरीका जांच के बाद ही स्पष्ट होगा। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। फिलहाल पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालकर चोरों की पहचान करने में जुटी है।गौरतलब है कि हाल ही में कटनी के बरगवां स्थित किसना ज्वेलर्स में भी दीवार तोड़कर करोड़ों रुपये की बड़ी चोरी को अंजाम दिया गया था। अब सब्जी मंडी जैसे व्यस्त इलाके में इसी अंदाज में हुई चोरी ने व्यापारियों की चिंता बढ़ा दी है। लगातार सामने आ रही चोरी की घटनाओं के बीच पुलिस की गश्त और अपराधियों पर अंकुश लगाने की व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। अब देखना होगा कि कोतवाली पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों तक कब पहुंचती है और चोरी का खुलासा कब होता है।



लखीसराय राजकीय हसनपुर उच्च विद्यालय में 'संकल्प संध्या' का शुभारंभ, डीएम ने विद्यार्थियों को सफलता का दिया मंत्र

उत्तम कुमार। सिटी चीफ

लखीसराय (बिहार)। विद्यार्थियों के शैक्षणिक स्तर में सुधार लाने और उन्हें बेहतर परीक्षा परिणाम के लिए तैयार करने के उद्देश्य से राजकीय हसनपुर उच्च विद्यालय में 'रेमेडियल क्लासेजङ्कसंकल्प संध्या' की शुरुआत की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पदाधिकारी शैलेन्द्र कुमार ने किया।

इस अवसर पर डीएम ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए अनुशासन, समय प्रबंधन और निरंतर मेहनत बेहद जरूरी है। उन्होंने छात्रों को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने तथा नियमित रूप से पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि रेमेडियल क्लासेज के माध्यम से विद्यार्थियों की शैक्षणिक कमजोरियों को दूर करने और विषयों की बेहतर समझ विकसित करने में मदद मिलेगी। 'संकल्प संध्या' का उद्देश्य विद्यार्थियों में पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़ाने के साथ उन्हें आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना है।

कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को यह संदेश दिया गया कि मजबूत संकल्प, सही दिशा और लगातार प्रयास से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

लखीसराय में धान अधिप्राप्ति कार्य का शुभारंभ, किसानों को मिलेगा 2,441 रुपये प्रति क्विंटल तक समर्थन मूल्य

उत्तम कुमार। सिटी चीफ



लखीसराय (बिहार)। खरीफ विपणन मौसम 2026-27 के तहत जिले में धान खरीद की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसी क्रम में मंगलवार को जिला पदाधिकारी शैलेंद्र कुमार ने रामगढ़ चौक प्रखंड के शरमा पैक्स में धान अधिप्राप्ति कार्य का विधिवत उद्घाटन किया। जिले में 15 नवंबर से धान खरीद शुरू हो चुकी है, जो 31 मार्च 2027 तक चलेगी।

उद्घाटन के अवसर पर डीएम ने संबंधित अधिकारियों एवं पैक्स प्रबंधकों को निर्देश दिया कि सभी निबंधित किसानों से निर्धारित प्रक्रिया के तहत पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से धान की खरीद सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि किसानों को धान बेचने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। साथ ही खरीद के बाद निर्धारित समय-सीमा के भीतर किसानों के बैंक खातों में राशि का भुगतान सुनिश्चित किया जाए।

डीएम ने किसानों से अपील की कि वे बिचौलियों के बजाय सरकारी अधिप्राप्ति व्यवस्था का लाभ उठाएं और निर्धारित पैक्स के माध्यम से ही अपना धान बेचें।

इस वर्ष साधारण धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2,441 रुपये प्रति क्विंटल तथा ग्रेड-ए धान का मूल्य 2,461 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है।

मौके पर उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी, जिला कृषि पदाधिकारी, राज्य खाद्य निगम के जिला प्रबंधक, जिला सहकारिता पदाधिकारी सहित अन्य अधिकारी एवं शरमा पैक्स के किसान मौजूद रहे।

लखीसराय सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकार लखीसराय द्वारा मंडल कारा, लखीसराय का निरीक्षण किया गया

उत्तम कुमार। सिटी चीफ



लखीसराय (बिहार), लखीसराय में मंगलवार को माननीय सचिव,जिला विधिक सेवा प्राधिकार लखीसराय श्री विधानंद सागर के द्वारा मंडल कारा, लखीसराय का दौरा किया गया। इस दौरान डी.एल.एस.ए. वो एल.ए.डी.सी.एस.कर्मी श्रीमती ललिता शाही, सदानंद कुमार भी साथ रहे। वहां बंदियों को मिल रही सुविधाओं का निरीक्षण किया गया। वहां मिल रही विधिक सहायता का निरीक्षण किया गया। वहां जानकारी दी गई कि जो अपने खर्चे पर अधिवक्ता रखने में सक्षम नहीं है उन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकार लखीसराय से निःशुल्क लीगल एड दिया जाएगा। वे इस संबंध में आवेदन दे सकते हैं। मंडलकारा, लखीसराय में उपलब्ध अस्पताल एवं विभिन्न वार्डो व कक्ष का निरीक्षण किया गया। पूछताछ में भोजन प्रबंध को सन्तोष जनक बताया गया।महिला वार्ड का भी निरीक्षण किया गया। महिलाओं को मिल रही सुविधाओं का भी जानकारी लिया गया। अधीक्षक को सभी समुचित व्यवस्था लगातार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में वर्ष 2013 के दंगों की शुरुआत के दौरान देवबंद थाना क्षेत्र के ग्राम मानकी में आयोजित हुई बहुचर्चित हिंदू महापंचायत से जुड़े मुकदमे में

बजरंग दल के पूर्व प्रांत संयोजक विकास त्यागी को लगभग 13 वर्ष बाद न्यायालय से जमानत मिली

गौरव सिंघल। सिटी चीफ

सहारनपुर/देवबंद (उ.प्र.)। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में वर्ष 2013 के दंगों की शुरुआत के दौरान देवबंद थाना क्षेत्र के ग्राम मानकी में आयोजित हुई बहुचर्चित %हिंदू महापंचायत% से जुड़े मुकदमे में बजरंग दल के पूर्व प्रांत संयोजक विकास त्यागी को लगभग 13 वर्ष बाद न्यायालय से जमानत मिल गई है। यह जमानत एमपी-एमएलए/एसीजेएम-चतुर्थ श्रीमती मीनल चावला की अदालत द्वारा मंजूर की गई है।

गौरतलब है कि वर्ष 2013 में उस समय देवबंद क्षेत्र में हिंदू समाज के लोगों पर हुए हमलों व मारपीट, तथा दंगाइयों द्वारा पुलिस से एके-47 राइफल, वायरलेस सेट व सरकारी मोबाइल लूटने और सरकारी गेस्ट हाउस को आग के हवाले किए जाने जैसी गंभीर



घटनाओं के आरोपियों पर कार्रवाई न होने से आक्रोशित हिंदू समाज ने ग्राम मानकी में यह महापंचायत आयोजित की थी। तत्कालीन समय में देवबंद पुलिस ने इस मामले में मुख्य आयोजक विकास त्यागी और सरधना के पूर्व विधायक संगीत सोम सहित 16 लोगों को नामजद करते हुए हजारों अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, बिना प्रशासनिक अनुमति के हजारों की भीड़ इकट्ठा कर विकास त्यागी के नेतृत्व में महापंचायत आयोजित करने, सरकारी कार्यों में हस्तक्षेप करने और सरकारी कर्मचारियों के साथ मारपीट करने सहित कई संगीन धाराओं में यह मामला दर्ज किया गया था, जिसमें पूर्व विधायक संगीत सोम भी प्रमुख रूप से शामिल हुए थे। इस मामले में नामजद पूर्व विधायक संगीत सोम पूर्व में ही अपनी जमानत करा चुके हैं, जबकि मुख्य आयोजक विकास त्यागी ने अब अदालत से अपनी जमानत मंजूर कराई है। उल्लेखनीय है कि विकास त्यागी पर ऐसे प्रकरणों में कई अन्य मुकदमे भी दर्ज हैं, जो वर्तमान में विभिन्न न्यायालयों में विचाराधीन हैं। इसके अतिरिक्त, वे सहारनपुर कलेक्ट्रेट परिसर स्थित मस्जिद के ध्वस्तीकरण मामले में भी मुख्य शिकायतकर्ता हैं।

बिना डर्मेटोलॉजी डिग्री के 7 साल तक किया बच्चे का इलाज, डॉक्टर पर 2.22 लाख का हर्जाना

अरविन्द सिंह पवैया। सिटी चीफ



ग्वालियर, ग्वालियर में बिना विशेषज्ञ डिग्री के बच्चे का सात साल तक इलाज करना डॉक्टर को भारी पड़ गया। जिला उपभोक्ता आयोग ने डॉ. कुलदीप सक्सेना पर 2 लाख 22 हजार रुपये का हर्जाना लगाया है।

मामला घास मंडी निवासी मोनू राठौर के बेटे से जुड़ा है। वर्ष 2018 में मोनू अपने बेटे के सिर पर कम बाल होने की समस्या लेकर डॉ. कुलदीप सक्सेना के क्लीनिक पहुंचे थे। आरोप है कि डॉक्टर ने करीब सात साल तक बच्चे का इलाज किया, लेकिन बाल आने के बजाय बचे हुए बाल भी झड़ गए। परिवार ने दवाओं के साइड इफेक्ट से बच्चे की आंखों की रोशनी कमजोर होने और भेंगापन आने का भी आरोप लगाया।

डॉक्टर की डिग्री पर संदेह होने के बाद पिता ने सीएमएचओ कार्यालय में आरटीआई लगाई। जवाब में सामने आया कि डॉक्टर के पास डर्मेटोलॉजी की कोई डिग्री या डिप्लोमा नहीं था, वे केवल थे। जबकि क्लीनिक के बोर्ड और लेटर पैड पर डिप्लोमा इन डर्मेटोलॉजी एंड वेनेरोलॉजी लिखा हुआ था।

मामले की सुनवाई के दौरान जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद शर्मा और सदस्य रेवती रमण मिश्रा की पीठ ने इसे अनुचित व्यापार व्यवहार माना। आयोग ने कहा कि लंबे इलाज के बावजूद फायदा नहीं होने पर बच्चे को बड़े अस्पताल में रेफर भी नहीं किया गया। डॉक्टर नोटिस के बावजूद जवाब देने आयोग नहीं पहुंचे।

आयोग ने डॉक्टर को 2 लाख 22 हजार रुपये का हर्जाना देने का आदेश दिया है। वहीं बच्चे के पिता मोनू राठौर का कहना है कि इस फैसले से उन्हें राहत मिली है, लेकिन बच्चे की पूरी जिंदगी प्रभावित हुई है। अब वे डॉक्टर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर हाईकोर्ट जाएंगे, ताकि दूसरे बच्चों के साथ ऐसा न हो।



जिला निर्वाचन अधिकारी ने सील्ड गोदाम का किया निरीक्षण

गौरव सिंघल। सिटी चीफ

सहारनपुर (उ.प्र.)। जिला निर्वाचन अधिकारी अरविंद कुमार चौहान ने भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार मासिक निरीक्षण के तहत जिला निर्वाचन कार्यालय में बने गोदाम का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सील्ड गोदाम सुव्यस्थित पाये गये।

अवगत कराना है कि निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुपालन में निर्वाचन की निष्पक्षता एवं पारदर्शिता के तहत ईवीएम एवं वीवीपेट के रखरखाव के दृष्टिगत सील्ड गोदाम का मासिक निरीक्षण किया जाना आवश्यक होता है।इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्रीमती लवी त्रिपाठी, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी श्रवण कुमार सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

कुरुक्षेत्र के डा. सहदेव शर्मा का प्रतिष्ठित कम्मू राष्ट्र गौरव सम्मान के लिए हुआ चयन

शिक्षाविदों, साहित्यकारों व संगीत प्रेमियों ने शुभकामनाएं प्रेषित की

अश्विनी वालिया। सिटी चीफ



कुरुक्षेत्र (हरियाणा), शिक्षा स्कॉलर एकेडमी कुरुक्षेत्र के डायरेक्टर, युवा कवि, एक्टर व विख्यात गायक डा. सहदेव शर्मा को राजस्थान की कमला देवी जनसेवा संस्थान (सीकर) द्वारा कम्मू राष्ट्र गौरव सम्मान 2027 के लिए चयनित किया गया है।संस्थान की चयन समिति द्वारा डा. सहदेव शर्मा का चयन शिक्षा, साहित्य व संगीत के क्षेत्र में उनके विशिष्ट योगदान के लिए किया गया है। संस्थान के अध्यक्ष डा. एस. के. फगोडिया द्वारा जारी सूचना के अनुसार चयनित प्रतिभागियों को 26 जनवरी 2027 (गणतंत्र दिवस) के अवसर पर आयोजित ऑनलाइन राष्ट्रीय समारोह में इस प्रतिष्ठित सम्मान से अलंकृत किया जाएगा।उल्लेखनीय है कि डा. सहदेव शर्मा पिछले 21 वर्षों से शिक्षा क्षेत्र में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। डा. सहदेव शर्मा विद्यालय व एकेडमी पर शिक्षा के साथ- साथ बच्चों के नैतिक, सांस्कृतिक व सर्वांगीण विकास के लिए हमेशा उनको प्रोत्साहित करते रहते हैं। पहले भी डा. सहदेव शर्मा को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग में आयोजित सम्मान समारोह में काशी हिन्दी विद्यापीठ वाराणसी द्वारा सुप्रसिद्ध शिक्षाविदों व साहित्यकारों की उपस्थिति में विद्या-वाचस्पति के प्रतिष्ठित सम्मान से सम्मानित किया गया था।इस उपलब्धि पर कुरुक्षेत्र व हरियाणा के अनेक शिक्षाविदों, साहित्यकारों व संगीत प्रेमियों ने डा. सहदेव शर्मा को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। हृदय की गहराइयों से डा. सहदेव शर्मा ने सभी का सादर आभार व्यक्त किया है।

मुंगेर में पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल, तीन थानों को मिले नए थानाध्यक्ष,दो थानाध्यक्ष पुलिस लाइन भेजे गए।

उत्तम कुमार। सिटी चीफ

मुंगेर (बिहार), मुंगेर जिले में कानून-व्यवस्था को और बेहतर बनाने तथा पुलिसिंग व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से एसपी सैयद इमरान मसूद ने पुलिस महकमे में बड़ा फेरबदल किया है। इस प्रशासनिक बदलाव के तहत जिले के तीन थानों में नए थानाध्यक्षों की तैनाती की गई है, जबकि दो थानाध्यक्षों को उनकी लचर कार्यशैली के कारण पुलिस लाइन भेज दिया गया है।एसपी के इस फैसले को जिले में पुलिस व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने और थानों की कार्यशैली में सुधार लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। नए थानाध्यक्षों से क्षेत्र में अपराध नियंत्रण, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आम लोगों की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की अपेक्षा की गई है।पुलिस महकमे में हुए इस फेरबदल के बाद संबंधित थानों में नई जिम्मेदारियां संभालने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। माना जा रहा है कि इस बदलाव से पुलिसिंग व्यवस्था में और सक्रियता आएगी।

मुंगेर जिलाबल के निम्नांकित पुलिस पदाधिकारियों को तत्काल प्रभाव से स्थानांतरित उनके नाम के सामने अंकित पुलिस थाना/प्रतिष्ठान में पदस्थापित किया जाता है:-

क्र0सं0	पुलिस पदाधिकारी का नाम	पूर्व पदस्थापन	नव पदस्थापन
1.	पु0अ0नि0 अमरेश कुमार	पुलिस केन्द्र, मुंगेर	थानाध्यक्ष, धरहरा थाना
2.	पु0अ0नि0 राहुल कुमार	थानाध्यक्ष, गंगटा थाना	थानाध्यक्ष, बरियारपुर थाना
3.	पु0अ0नि0 सोबु कुमार	थानाध्यक्ष, धरहरा थाना	थानाध्यक्ष, हरिणमार थाना
4.	पु0अ0नि0 संजय आर्यमान	थानाध्यक्ष, बरियारपुर थाना	पुलिस केन्द्र, मुंगेर
5.	पु0अ0नि0 अजय कुमार आजाद	थानाध्यक्ष, हरिणमार थाना	पुलिस केन्द्र, मुंगेर

उपरोक्त पुलिस पदाधिकारी को आदेश दिया जाता है कि गृह विभाग (विशेष शाखा),

कलेक्टर ने भरौली और इमलिया के खेतों में पहुंचकर हार्वेस्टर के स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम एवं बेलर मशीन से पराली प्रबंधन का लिया जायजा

कटनी कलेक्टर श्री आशीष तिवारी मंगलवार को ऊबड़-खाबड़ रास्तों से पैदल चलकर ग्राम भरौली और इमलिया के खेतों में पहुँचे और आधुनिक कृषि मशीनों के माध्यम से किए जा रहे पराली प्रबंधन का निरीक्षण किया। उन?होंने खेतों में हार्वेस्टर के स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम तथा बेलर मशीन के उपयोग से कृषि अवशेषों को एकत्रित करने की प्रक्रिया देखी। साथ ही ग्राम भरौली के किसान दूधिया प्रसाद और ग्राम इमलिया के वीरेंद्र सिंह के खेत में ही खड़े-खड़े चर्चा कर मशीनों के उपयोग, उनकी उपयोगिता और नरवाई प्रबंधन को लेकर उनके अनुभव भी जाने।पराली से 2500 से 3000 रुपये प्रति टन तक हो सकती है आमदनी बेलर मशीन के माध्यम से धान की पराली सहित अन्य कृषि अवशेषों को एकत्रित कर बेल तैयार की जाती है। इन बेलों की बायोमास पेलेट प्लांट में 2500 से 3000 रुपये प्रति टन तक बिक्री होती है। कृषि यांत्रिकी विभाग कटनी से



प्राप्त इस मशीन की कीमत लगभग 4 लाख रुपये है, जिसमें करीब 2 लाख रुपये का अनुदान मिलता है। मशीन की प्रतिदिन 8 से 10 टन कृषि अवशेष एकत्रित करने की क्षमता है। अब तक जिले में लगभग 300 एकड़ क्षेत्र से पराली एकत्रित की जा चुकी है।कृषि अवशेषों से तैयार हो रहे बायोमास पैलेट कलेक्टर ने ग्राम इमलिया स्थित एस.के. एग्रो एंड ग्रीन एनर्जी के बायो फ्यूल प्लांट का भी जायजा लिया। वीरेंद्र सिंह द्वारा संचालित इस इकाई में किसानों से धान, गेहूं, मक्का, सरसों, चना एवं कपास सहित विभिन्न फसलों के कृषि अवशेष 2500 से 3000 रुपये प्रति टन की दर से खरीदे जाते हैं। इनसे बायोमास पैलेट तैयार कर 7000 से 8000 रुपये प्रति टन की दर से एनटीपीसी पावर प्लांट सिंगरौली भेजे जाते हैं। उद्योग की उत्पादन क्षमता प्रतिदिन लगभग 15 से 20 टन है।



अतिरिक्त संयुक्त आयुक्त विकास ने लोगो की सुनी समस्या एवं शिकायतें

संजीव कुमार निगम। सिटी चीफ

शहडोल, कमिश्नर कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में अतिरिक्त संयुक्त आयुक्त श्रीमती प्रेरणा सिंह ने शहडोल संभाग के दूरदराज के क्षेत्र से आए लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनी एवं विभागीय अधिकारियों को लोगों की समस्याओं और शिकायतों का निराकरण प्राथमिकता के साथ समय पर करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में उपायुक्त सहकारिता, सहायक संचालक जनजाति कार्य विभाग श्री जेपी नापित, संयुक्त संचालक शिक्षा श्री उमेश धुर्वे सहित विभिन्न विभागीय अधिकारी उपस्थित।

पंत पर भी दिया अपडेट

वेलिंगटन टेस्ट में 4 पेसर, गिल ने बताया प्लान

भारत और न्यूजीलैंड के बीच गुरुवार (19 नवंबर) से वेलिंगटन में दो मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू होने जा रही है. पहले टेस्ट से पहले भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने टीम इंडिया की रणनीति का खुलासा किया है. गिल ने साफ कर दिया कि भारतीय टीम इस सीरीज में चार तेज गेंदबाजों के साथ उतरेगी. हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि प्लेइंग-11 में किन चार गेंदबाजों को जगह मिलेगी.गिल ने कहा- हम निश्चित रूप से चार तेज गेंदबाजों के साथ खेलेंगे. हमारे सभी तेज गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन किया है और यह टीम के लिए सही है. भारतीय पेस अटैक को जसप्रीत बुमराह की वापसी से मजबूती मिलेगी. हालिया वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने वाले युवा तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को भी टीम में बरकरार रखा गया है. इसके लिए स्पिनर कुलदीप यादव को बाहर रखा गया है.गिल ने कहा कि टीम को ऐसे गेंदबाज की जरूरत होगी, जो पिच पर गेंद पटककर अतिरिक्त उछाल हासिल कर सके. उनके मुताबिक, तीसरे दिन से पिच सपाट होने लगती है. ऐसे में गेंदबाजों की भूमिका अहम होगी. प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बरार इस भूमिका में फिट बैठते हैं, लेकिन गुरनूर का प्लेइंग-11 में खेलना अभी तय नहीं है.आकाश दीप और अंशुल कंबोज पर भी नजरतेज गेंदबाजी के विकल्पों में आकाश



दीप और प्रसिद्ध कृष्णा का खेलना लगभग तय माना जा रहा है. वहीं, अंशुल कंबोज ने भी टीम की तैयारियों के दौरान हेड कोच गौतम गंभीर और गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल का ध्यान खींचा है. गिल ने बैटिंग कॉम्बिनेशन को लेकर भी अहम संकेत दिए. उन्होंने बताया कि टीम सात स्पेशलस्टि बैटर्स के साथ उतरने की योजना बना रही है. आकाश दीप और अंशुल कंबोज निचले क्रम में बल्लेबाजी कर सकते हैं. नीतीश कुमार रेड्डी भी बल्लेबाजी का विकल्प हैं.गिल ने कहा, हम सात स्पेशलस्टि बैटर्स के साथ खेलने की योजना बना रहे हैं. आठवें और नौवें नंबर पर कौन होगा, यह देखना होगा. आकाश और अंशुल दोनों बल्लेबाजी कर सकते हैं. नीतीश भी बल्लेबाजी कर सकते हैं.कप्तान शुभमन गिल ने विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की फॉर्म और फिटनेस को लेकर उठ रहे सवालों को भी खारिज किया. उन्होंने कहा कि पंत को लेकर टीम में कोई असमंजस नहीं है. वह 50 टेस्ट खेल चुके हैं और दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में रन बनाए हैं. ऑस्ट्रेलिया में उनके नाम टेस्ट शतक भी है.वेलिंगटन की हवाओं से तेज गेंदबाजों को चुनौती गिल ने न्यूजीलैंड की परिस्थितियों को तेज गेंदबाजों के लिए चुनौतीपूर्ण बताया. उन्होंने कहा कि वेलिंगटन में तेज हवाओं का असर बल्लेबाजों से ज्यादा गेंदबाजों पर पड़ता है. हवा के विपरीत गेंदबाजी करने पर तेज गेंदबाजों की काफी ऊर्जा खर्च होती है. इसलिए टीम को गेंदबाजी संयोजन चुनते समय इस पहलू का भी ध्यान रखना होगा.भारतीय कप्तान के मुताबिक, न्यूजीलैंड में टेस्ट मैच को दो हिस्सों में बांटकर देखना चाहिए.

22 को पाक से भिड़ंत, दोहा पहुंची टीम

वैभव-अभिषेक का हल्ला बोल!

आईपीएल 2026 में ऑरेंज कैप जीतने वाले वैभव सूर्यवंशी अब राइजिंग स्टार्स एशिया कप में भारत ए के लिए उतरेंगे. उनके साथ अभिषेक शर्मा भी टीम में हैं. तिलक वर्मा की कप्तानी वाली भारतीय टीम 20 नवंबर को नेपाल के खिलाफ अभियान शुरू करेगी, जबकि 22 नवंबर को पाकिस्तान ए से भिड़ेगी. टूर्नामेंट का फाइनल 29 नवंबर को खेला जाएगा.



अपने बल्ले से तहलका मचाने वाले वैभव सूर्यवंशी अब एक और बड़े मिशन के लिए तैयार हैं. 15 साल का यह किशोर बल्लेबाज 19 नवंबर से शुरू होने वाले पुरुष मेंस राइजिंग स्टार्स एशिया कप 2026 में भारत ए की ओर से खेलता नजर आएगा. खास बात यह है कि इस टूर्नामेंट में वैभव के साथ अभिषेक शर्मा भी होंगे. यानी दो ऐसे बाएं हाथ के बल्लेबाज, जिनकी पहचान विस्फोटक बल्लेबाजी और लंबे छक्के लगाने के लिए है.दोहा में होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम वहां पहुंच चुकी है. टीम इंडिया ने दिल्ली से दोहा तक के सफर का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया है. इसके साथ लिखा, न्यू चैलेंज, सेम एक्साइटमेंट यानी नई चुनौती, वही रोमांच. अब वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक शर्मा के सामने अपने बल्ले का दम दिखाने की चुनौती है.वैभव-अभिषेक की जोड़ी पर रहेंगी नजरेंराइजिंग स्टार्स एशिया कप में भारतीय टीम के लिए वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक शर्मा का साथ होना खास आकर्षण है. दोनों ही बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं और अपनी आक्रामक शैली के लिए पहचाने जाते हैं. अभिषेक के पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और आईपीएल का अनुभव है, जबकि वैभव ने बेहद कम उम्र में अपनी बल्लेबाजी से क्रिकेट जगत का ध्यान खींचा है.आईपीएल 2026 में वैभव ने 16 पारियों में 776 रन बनाए थे. वह टूर्नामेंट के सबसे ज्यादा रन ऑरेंज कैप अपने नाम की. उन्होंने इस दौरान 72 छक्के लगाए और 237.30 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की. अब दोहा में उनके सामने एक और मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका होगा.

जेंडर चेंज के बाद क्रिकेट में धमाकेदार वापसी की तैयारी

योगराज सिंह की शरण में पहुंचीं अनाया बांगड़

पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय बांगड़ की बेटी अनाया बांगड़ एक बार फिर सुर्खियों में हैं. इस बार वजह उनकी क्रिकेट प्रैक्टिस है. अनाया ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर और युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह के साथ पोस्ट सोमवार (16 नवंबर) को शेयर किया. इसमें उन्होंने बताया कि योगराज सिंह के मार्गदर्शन में उनकी प्रैक्टिस शुरू हो गई है.

अनाया ने अपनी पोस्ट के कैप्शन में लिखा, (योगराज सिंह सर के साथ प्रैक्टिस शुरू). उनकी इस पोस्ट पर फैन्स भी खूब प्यार लुटा रहे हैं. किसी ने उन्हें शुभकामनाएं दीं तो किसी ने उनकी तारीफ की. कई फैन्स ने दिल वाले इमोजी के साथ अपनी प्रतिक्रिया दी.

ध्यान रहे अनाया बांगड़ की क्रिकेट के मैदान पर उतरने की तैयारी भारत की बजाय ऑस्ट्रेलिया से हो सकती है. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने अनाया के मामले की विस्तृत समीक्षा के बाद उन्हें अपनी नीति के तहत मार्च 2027 से एलीट महिला क्रिकेट में खेलने की पात्रता दी है. हालांकि इसके लिए उन्हें निर्धारित शर्तें पूरी करनी होंगी.

अनाया पहले आर्यन बांगड़ के नाम से जानी जाती थीं. वह क्रिकेट खेल चुकी हैं. जेंडर ट्रांजिशन के बाद उन्होंने अनाया के रूप में अपनी पहचान सार्वजनिक की. सोशल मीडिया पर भी उनकी अच्छी फैन फॉलोइंग है. इंस्टाग्राम पर उन्हें 10 लाख से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं. उनकी यह नई पोस्ट भी फैन्स के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है.

कई लेवल पर क्रिकेट खेल चुकी हैं अनाया जेंडर ट्रांजिशन से पहले अनाया का नाम आर्यन बांगड़ था. उन्होंने क्रिकेट के मैदान पर भी अपनी पहचान बनाई थी. मुंबई के स्थानीय क्लब क्रिकेट में इस्लाम जिमखाना की ओर से खेलकर उन्होंने अपने करियर की शुरुआत की. इसके बाद महज 18 साल की उम्र में इंग्लैंड की लीसेस्टरशायर लीग में हिंकले क्रिकेट क्लब का प्रतिनिधित्व



किया.साल 2019 में उन्होंने पुडुचेरी की ओर से राष्ट्रीय अंडर-19 कूच बिहार ट्रॉफी में हिस्सा लिया. इस टूर्नामेंट में अनाया ने पांच मैचों में 300 रन बनाए. उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 150 रन रहा. इस दौरान उन्होंने दो अर्धशतक भी लगाए. गेंदबाजी में भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा और उन्होंने कुल 20 विकेट हासिल किए.

अनाया के पिता संजय बांगड़ भारतीय क्रिकेट का जाना-पहचाना नाम हैं. वह टीम इंडिया के बल्लेबाजी कोच की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं. फिलहाल वह कमेंट्री और कोचिंग से जुड़े हुए हैं. 54 वर्षीय संजय बांगड़ ने भारत के लिए 12 टेस्ट और 15 वनडे इंटरनेशनल मुकाबले खेले हैं. उनके नाम इंटरनेशनल क्रिकेट में कुल 650 रन दर्ज हैं. इसके अलावा उन्होंने गेंदबाजी में 14 विकेट भी हासिल किए.

योगराज सिंह का ऐसा रहा इंटरनेशनल करियर वहीं युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह 68 साल के हो चुके हैं. वह चंडीगढ़ में अपनी क्रिकेट कोचिंग चलाते हैं. इसके अलावा क्रिकेट से जुड़े मुद्दों पर अपनी प्रतिक्रियाएं भी देते रहते हैं.

योगराज सिंह ने भारतीय टीम के लिए एक टेस्ट और छह वनडे इंटरनेशनल मुकाबले खेले. उन्होंने 21 फरवरी 1981 को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था. यह उनके करियर का एकमात्र टेस्ट मैच रहा, जिसमें उन्होंने जॉन राइट को आउट किया था.

वहीं, उनका पहला वनडे 21 दिसंबर 1980 को ब्रिस्बेन में न्यूजीलैंड के खिलाफ था. इस मुकाबले में उन्होंने दो विकेट हासिल किए. योगराज ने भारत के लिए कुल छह वनडे मैच खेले, जिनमें उनके नाम चार विकेट रहे.

घरेलू क्रिकेट में भी योगराज का रिकॉर्ड रहा है. उन्होंने 30 फर्स्ट क्लास मुकाबलों में 398 रन बनाने के साथ 66 विकेट लिए. वहीं, 13 लिस्ट ए मैचों में उनके नाम 39 रन और 14 विकेट दर्ज हैं.

मनोरंजन

गोल्डी ढिल्लों ने दी थी जान से मारने की धमकी

केबीसी के सेट पर लौटे बिग बी

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन को जान से मारने की धमकी मिली है. गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों का एक पोस्ट वायरल हुआ, जिसमें बिग बी और उनके बेटे अभिषेक बच्चन को खुली धमकी दी गई. ऑडियो मैसेज में वो धमकाते हुए कहता है- जितने भी बुलेटप्रूफ केबिन बनवा लो, गोली मारी जाएगी. पिता-पुत्र को मारेंगे, बुलेटप्रूफ में ही मारेंगे. इस धमकी के बाद फैंस चिंतित हैं. लेकिन बिग बी ने काम को जारी रखने का फैसला किया है.



गैंगस्टर की धमकियों के बीच अमिताभ बच्चन क्विज शो कौन बनेगा करोड़पित के सेट पर लौट आए हैं. पिछले कुछ वक्त से उन्होंने हेल्थ इश्यूज की वजह से ब्रेक लिया हुआ था. ऐसे में केबीसी के पुराने एपिसोड्स को री-रन किया जा रहा था. अब 16 नवंबर से नए एपिसोड ऑनएयर किए जा रहे हैं. एक्टर का एक प्रोमो भी सामने आया था जिसमें उन्होंने फैंस का आभार जताया था. फैंस के तबीयत का हाल चाल पूछे जाने पर उन्होंने कहा था- अगर आप ठीक हैं. तो हम भी ठीक हैं.

जानकारी के मुताबिक, 84 साल के अमिताभ को सीजनल फ्लू हुआ था. सेहत का ध्यान रखने के लिए उन्होंने कुछ दिनों का ब्रेक लिया था. लेकिन अब वो ठीक हो चुके हैं. इस बीच उन्हें मिल रही धमकियों की एक्टर ने चिंता नहीं की.

मुंबई में सेलेब्स पर हमलों और धमकी ने सभी को अलर्ट कर दिया है. अमिताभ बच्चन रविवार को जलसा के बाहर फैंस से बुलेटप्रूफ कांच के घेरे में मिले. जलसा को लेकर मिल रही धमकी के बाद ये फैसला लिया गया. सुरक्षा कारणों से ये वॉल बनाई गई है.

अमिताभ सालों से कौन बनेगा करोड़पति को होस्ट कर रहे हैं. इस शो से उनका भी गहरा लगाव है. सालों से अमिताभ इस शो के साथ जुड़े हैं. बिग बी के फैंस के लिए बिना उनके कौन बनेगा करोड़पति का कोई अस्तित्व नहीं है.

84 साल के अमिताभ टीवी के साथ फिल्मी दुनिया में भी सक्रिय हैं. उनकी पिछली रिलीज फिल्मथी. इसमें उनका अहम रोल था. फिल्मों के अलावा वो अपनी फिटनेस का खासा ध्यान रखते हैं.



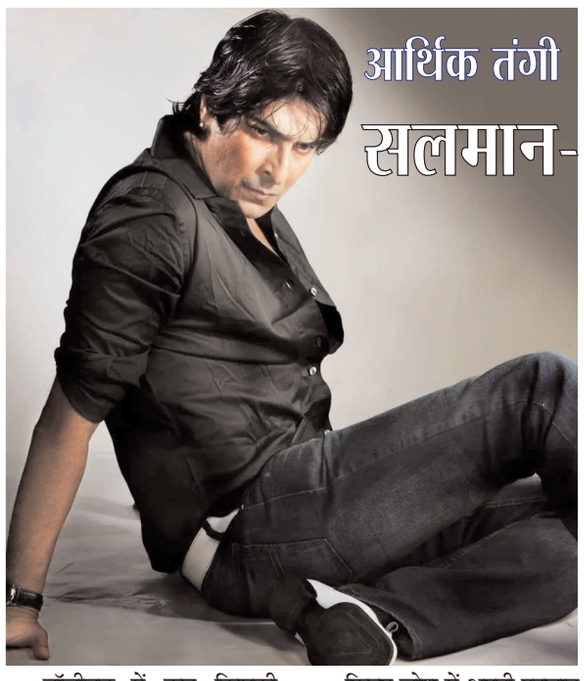
सैफ अली खान ने परिवार के साथ वेकेशन की कुछ खास तस्वीरें शेयर की हैं. इन फोटोज में करीना कपूर का स्टाइलिश अंदाज चर्चा में है. कभी येलो बिकिनी तो कभी ग्रीन मोनोकनी में करीना ने सबका ध्यान खींचा.

आर्थिक तंगी

सलमान-

बीमारी से जूझ रहे एक्टर को मिली मदद

सोनू बने शरद का सहारा



बॉलीवुड में कब किसकी किस्मत चमक जाए और कब कोई सितारा गुमनामी के अंधेरे में खो जाए, कहा नहीं जा सकता. कभी बड़े पर्दे पर अपनी दमदार एक्टिंग से लोगों का दिल जीतने वाले एक्टर शरद कपूर आज जिंदगी के मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं.

फिल्म जोश में अपनी पहचान बनाने वाले शरद कपूर ने हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री से काम और आर्थिक मदद की गुहार लगाई थी. उन्होंने बताया था कि वह लंबे समय से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों और आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं. अब उनकी मदद के लिए बॉलीवुड के दो बड़े सितारे सलमान खान और सोनू सूद आगे आए हैं.शरद कपूर की मुश्किलों के बीच सलमान खान और सोनू सूद का नाम सामने आया है. ऑल इंडिया सिने वर्कर्स एसोसिएशन ने दोनों सितारों का शुक्रिया अदा किया है. वहीं, सोनू सूद ने भी शरद से मुलाकात की है. खबरें हैं कि सलमान ने भी अपने जय हो के को-स्टार शरद से संपर्क किया है.इस बीच शरद कपूर ने फैंस के लिए एक वीडियो मैसेज भी शेयर किया है. शरद ने कहा, मैं अपने फैंस से कहना चाहता हूं कि आप सभी का बहुत-बहुत शुक्रिया. भगवान आप लोगों को हमेशा खुश रखे. बस अपना इतना ही प्यार बनाए रखिएगा. मैं कभी आप लोगों को निराश नहीं करूंगा. जनवरी में मैं एक रॉकस्टार की तरह काम शुरू करूंगा.शरद कपूर ने बताया था कि वह पिछले दो से तीन साल से बिस्तर पर पड़े हैं. उनके मुताबिक, उन पर लगे यौन उत्पीड़न के आरोपों ने उन्हें मानसिक रूप से काफी प्रभावित किया था. एक्टर ने कहा कि जब कोई बिना वजह किसी पर आरोप लगाता है, तो बहुत दुख होता है. इसी वजह से वह डिप्रेशन में चले गए थे. उनका किसी से मिलने या काम करने का मन नहीं करता था.

अब उन्होंने खुद को संभालते हुए दोबारा काम शुरू करने का फैसला किया है. शरद ने फिल्म इंडस्ट्री के अपने सीनियर कलाकारों से भावुक अपील करते हुए कहा कि उन्हें आर्थिक ही नहीं, बल्कि नैतिक और मानसिक मदद की भी जरूरत है. उन्होंने कहा कि वह हमेशा अपने सीनियर कलाकारों को अपना हीरो मानते आए हैं और अब मुश्किल वक्त में उनसे साथ देने की उम्मीद कर रहे हैं.

सैफ ने शेयर की परिवार संग छुट्टियों की तस्वीरें

वेकेशन में करीना का बिकिनी लुक

सैफ अली खान ने जबसे इंस्टाग्राम पर अपना डेब्यू किया है, तब से उनकी पोस्ट इंटरनेट पर छाई रहती हैं. अब सैफ ने परिवार संग अपने वेकेशन की फोटोज शेयर की हैं. सैफ की पोस्ट सामने आते ही वायरल हो गई. मगर सैफ की पोस्ट में इस बार पूरी लाइमलाइट उनकी पत्नी और एक्ट्रेस करीना कपूर खान ने लूट ली.

जी हां, सैफ के वेकेशन पोस्ट में करीना का बिकिनी लुक देखकर फैंस मदहोश हो गए हैं. एक फोटो में करीना येलो कलर की बिकिनी पहने रिलैक्स मोड में नजर आईं. खुले बाल में करीना ने टशन दिखाया.

एक दूसरी तस्वीर में करीना ग्रीन कलर की मोनोकनी में दिखीं. नवाब साहब सैफ अली खान भी शर्टलेस लुक में सेल्फी लेते दिखे. नन्हे जेह की क्यूट स्माइल ने हर किसी का दिल जीत लिया.

एक-दूजे की आंखों में खोए दिखे

वेकेशन की एक फोटो में सैफ और करीना एक दूजे की आंखों में खोए दिखे. शादी के सालों बाद भी कपल के बीच की केमिस्ट्री और रोमांस न्यूलीवेडेड कपल जैसा लगता है.करीना और बच्चों संग सैफ अली खान की वेकेशन फोटोज ने इंटरनेट का पारा हाई कर दिया है. फैंस करीना और सैफ की तारीफ करते हुए थक नहीं रहे हैं.तैमूर की इस तस्वीर से फैंस नजरें नहीं हटा पा रहे हैं. तैमूर अब काफी बड़े हो गे हैं. तैमूर का ट्रांसफॉर्मेशन हर किसी को हैरान कर रहा है.



तीन महीने से लापता 70 वर्षीय बुजुर्ग का झाड़ियों में मिला कंकाल, बैग में बेटे की तस्वीर से हुई पहचान

पश्चिमी सिंहभूम. झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में करीब तीन महीने से लापता 70 वर्षीय बुजुर्ग का नरकंकाल मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई. बड़ाजामदा में सेंट्रल अस्पताल चौक के पास पुराने लकड़ी डिपो के नजदीक झाड़ियों से पुलिस ने कंकाल बरामद किया. घटनास्थल पर मिले बैग, कपड़े, दवाइयां, डायरी और बेटे की तस्वीर के आधार पर परिजनों ने मृतक की पहचान धनंजय आपट के रूप में की है.पुलिस ने कंकाल को फॉरेंसिक जांच के लिए जमशेदपुर के एमजीएम अस्पताल भेज दिया है. परिजनों के लिखित आवेदन के आधार पर थाने में प्राथमिकी भी दर्ज की गई है.परिजनों के मुताबिक, पंडराशाली गांव निवासी धनंजय आपट 30 अगस्त की आधी रात को बिना किसी को बताए घर से निकल गए थे. इसके बाद परिवार के लोगों ने उनकी काफी तलाश की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चल पाया.उनके बेटे श्रीबाचो आपट ने बताया कि उनके पिता पहले बड़ाजामदा रेलवे साइडिंग में एक ठेकेदार के यहां मुंशी का काम करते थे. नौकरी छूटने के बाद वे पंचांग के जरिए भविष्य की गणना किया करते थे.मंगलवार दोपहर झाड़ियों में किसी व्यक्ति को हड्डियां दिखाई दीं. इसकी सूचना मिलते ही बड़ाजामदा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. घटनास्थल पर नरकंकाल के पास एक बैग और गमछा भी मिला.सूचना मिलने पर श्रीबाचो आपट अपने छोटे भाई चंद्रकांत के साथ वहां पहुंचे. बैग में रखे कपड़े, दवाइयां, डायरी और छोटे बेटे चंद्रकांत की तस्वीर देखकर परिजनों ने कंकाल की पहचान अपने पिता के रूप में की.पुलिस को दिए आवेदन में बेटे श्रीबाचो ने बताया कि उनके पिता की मानसिक स्थिति ठीक नहीं रहती थी. इसी वजह से वे 30 अगस्त की रात घर से निकल गए थे और फिर वापस नहीं लौटे. परिवार लगातार उनकी तलाश कर रहा था, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी.

फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया कंकाल

बड़ाजामदा पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाकर नरकंकाल को फॉरेंसिक जांच के लिए एमजीएम अस्पताल, जमशेदपुर भेज दिया है. पुलिस मामले की जांच कर रही है. जांच रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों से मौत के कारणों से जुड़ी जानकारी सामने आने की उम्मीद है.क़रीब तीन महीने से लापता बुजुर्ग का कंकाल मिलने के बाद परिवार में शोक का माहौल है.

न्यायपालिका पर टिप्पणियों को लेकर संजय राउत को सुप्रीम कोर्ट की फटकार, नए हलफनामे का आदेश

नई दिल्ली. न्यायपालिका के खिलाफ सोशल मीडिया पर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने शिवसेना के राज्यसभा सांसद संजय राउत को कड़ी फटकार लगाई है. बुधवार को सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि एक वरिष्ठ सांसद और अनुभवी राजनेता होने के नाते राउत को सार्वजनिक जीवन में संयम और जिम्मेदारी का महत्व समझना चाहिए. कोर्ट ने उनकी माफी पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि माफी केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि दिल से मांगी जानी चाहिए.

जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की पीठ सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन की ओर से दायर आपराधिक अवमानना याचिका पर सुनवाई कर रही थी. यह याचिका संजय राउत और वरिष्ठ पत्रकार निखिल वागले के खिलाफ मुख्य न्यायाधीश और न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली टिप्पणियों के आरोप में दायर की गई है.सुनवाई के दौरान जस्टिस अरविंद कुमार ने राउत के आचरण पर नाराजगी जताते हुए कहा कि वे लंबे समय से उनके भाषण सुनते आ रहे हैं. वे एक परिपक्व राजनेता, अनुभवी सांसद और पत्रकारिता जगत से जुड़े रहे हैं. ऐसे में उनसे सार्वजनिक जीवन में संयम बरतने की अपेक्षा की जाती है.अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता प्रदीप राय ने अदालत को बताया कि राउत ने पहले की टिप्पणियों के लिए माफी मांगी थी, लेकिन इसके बाद भी सोशल मीडिया पर न्यायपालिका को निशाना बनाने वाली पोस्ट साझा कीं.राय ने ऐसी पोस्ट का हवाला दिया, जिनमें आरोप लगाया गया था कि भाजपा ने लोकतंत्र, न्यायपालिका, केंद्रीय जांच एजेंसियों और चुनाव आयोग को अपने नियंत्रण में ले लिया है. उन्होंने राउत की ओर से साझा की गई एक तस्वीर का भी उल्लेख किया, जिसमें प्रदर्शनकारियों को अल्बानिया के सुप्रीम कोर्ट में आग लगाते हुए दिखाया गया था. की ओर से दलील दी गई कि इस तस्वीर के जरिए भारतीय सर्वोच्च न्यायालय के प्रति भी परोक्ष संदेश देने की कोशिश की गई.अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि राउत ने अपने हलफनामे में माफी के बाद की गई नई सोशल मीडिया पोस्ट का उल्लेख नहीं किया. उन्होंने उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग भी की.इन दलीलों पर विचार करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने राउत को निर्देश दिया कि वे संबंधित सोशल मीडिया पोस्ट पर अपना पक्ष स्पष्ट करते हुए नया हलफनामा दाखिल करें. अदालत ने कहा कि हलफनामे पर विचार करने के बाद ही आगे की कार्यवाही तय की जाएगी.



निखिल वागले ने मांगी कार्यवाही बंद करने की राहत

सुनवाई के दौरान पत्रकार निखिल वागले की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने बताया कि वागले विवादित पोस्ट हटा चुके हैं और तथा सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त माफी मांग चुके हैं. उन्होंने इसी आधार पर उनके खिलाफ कार्यवाही समाप्त करने का बचाव नहीं किया. उन्होंने अदालत से राउत की कैंसर और हृदय रोग संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं तथा चल रहे इलाज को ध्यान में रखते हुए मानवीय दृष्टिकोण अपनाने की अपील की.

गुजरात के गोधरा बस स्टैंड में भीषण आग, कई दुकानें और पार्सल ऑफिस जलकर खाक; लाखों के नुकसान की आशंका

गोधरा. गुजरात के पंचमहल जिले के गोधरा स्थित सेंट्रल बस स्टैंड में देर रात भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई. आग की चपेट में आने से बस स्टैंड परिसर में बनी कई दुकानें जलकर खाक हो गईं. इसके अलावा पार्सल ऑफिस और कंट्रोल ऑफिस को भी नुकसान पहुंचा है. शुरुआती जानकारी में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी.घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया. गोधरा शहर के ए और बी डिवीजन के पुलिस अधिकारी भी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे.



जानकारी के मुताबिक, बस स्टैंड की छत में प्लास्टिक सामग्री का इस्तेमाल किया गया था. वहीं, गर्मी से बचाव के लिए छत के बीच थर्मोकोल लगाया गया था. बताया जा रहा है कि आग लगने के बाद इन ज्वलनशील सामग्रियों के कारण लपटें तेजी से फैल गईं और परिसर की कई दुकानें इसकी चपेट में आ गईं.हालांकि, आग लगने के वास्तविक कारणों का पता जांच पूरी होने के बाद ही चल सकेगा.पार्सल ऑफिस और कंट्रोल ऑफिस को भी नुकसान बस स्टैंड परिसर में मौजूद पार्सल ऑफिस भी आग की चपेट में आ गया. यहां अलग-अलग शहरों में भेजे जाने वाले सामान रखे जाते हैं. आग से पार्सल में रखे सामान और कार्यालय के अन्य संसाधनों को नुकसान पहुंचने की आशंका है.इसके अलावा कंट्रोल ऑफिस भी प्रभावित हुआ है. शुरुआती अनुमान के मुताबिक, इस घटना में लाखों रुपये का नुकसान हो सकता है. नुकसान का वास्तविक आकलन अभी किया जाना बाकी है.अधिकारी पीएफ सोलंकी के मुताबिक, बस स्टैंड पर अचानक आग लगने की सूचना मिलने के बाद दमकल टीम तुरंत मौके पर पहुंची. काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया.

बिहार में पुलिसकर्मी पर गंभीर आरोप- महिला से 20 हजार रुपये मांगने और रात में मिलने का दावा, एसपी ने किया सस्पेंड

मोतिहारी. बिहार के पूर्वी चंपारण जिले में पुलिस विभाग से जुड़ा एक कथित ऑडियो सामने आने के बाद विवाद खड़ा हो गया है. सुगौली थाने में तैनात दरोगा शैलेश कुमार पर एक महिला से 20 हजार रुपये मांगने और उससे आपत्तिजनक बातचीत करने का आरोप लगा है. वायरल ऑडियो में दरोगा कथित तौर पर महिला को रात में मिलने के लिए भी कहते सुनाई दे रहे हैं. मामला सामने आने के बाद पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात ने दरोगा को निलंबित कर दिया है.

जानकारी के मुताबिक, मामला सुगौली थाना क्षेत्र के श्रीपुर गांव का है. यहां एक महिला का अपने पड़ोसियों के साथ जमीन को लेकर विवाद चल रहा था.



महिला अपने घर के सामने से कथित अतिक्रमण हटवाने और जमीन पर कब्जा दिलाने के लिए दरोगा शैलेश कुमार से मदद मांग रही थी.कथित ऑडियो में दरोगा महिला से उसके पक्ष में कार्रवाई करने और केस दर्ज नहीं करने के बदले 20 हजार रुपये की मांग करते सुनाई दे रहे हैं. बातचीत के दौरान महिला पहले दिए गए पैसों का जिक्र करती है. इस पर दरोगा कथित तौर पर एक हजार रुपये लेने की बात स्वीकार करते सुनाई देते हैं.महिला बातचीत में दो अलग-अलग मौकों पर एक हजार और तीन हजार रुपये देने का दावा भी करती है. हालांकि, वायरल ऑडियो की पूरी परिस्थितियों और उसमें कही गई बातों की स्वतंत्र पुष्टि होना बाकी है.ऑडियो में दरोगा पर महिला से आपत्तिजनक बातें करने और उसे एक रात के लिए मिलने बुलाने का भी आरोप है. बातचीत के दौरान महिला सुबह मिलने आने की बात कहती सुनाई देती है. वहीं, दरोगा कथित और फिर महिला का काम करने की बात कहते हैं.मामले को लेकर सुगौली प्रखंड जेडीयू अध्यक्ष अरविंद कुमार कुशवाहा ने जिलाधिकारी शिवम और पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात को पत्र लिखकर शिकायत की.

बिजनेस

बैंकिंग और रियल्टी शेयरों में जोरदार खरीदारी

शेयर बाजार में तेजी का तूफान

भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को भी तेजी देखने को मिली. सेंसेक्स 427 अंक चढ़ा और निफ्टी 9 महीने के ऊंचे स्तर पर पहुंच गया. कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट, विदेशी निवेशकों की लगातार खरीदारी, रुपये की मजबूती और बैंकिंग शेयरों में तेजी ने बाजार को सहारा दिया.

दिवाली खत्म हो गई है, लेकिन भारतीय शेयर बाजार में आतिशबाजी का सिलसिला जारी है. शेयर बाजार में मंगलवार को भी जोरदार खरीदारी देखने को मिली. सेंसेक्स 427 अंक उछलकर 82,532 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी ने करीब 9 महीने बाद 25,500 का स्तर छुआ. कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, विदेशी निवेशकों की लगातार खरीदारी और रुपये की मजबूती ने बाजार को सहारा दिया.इस तेजी से बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार मूल्य 3 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा बढ़कर करीब 512 लाख करोड़ रुपये हो गया. यानी निवेशकों की दौलत में एक ही दिन में बड़ा इजाफा हुआ. सेंसेक्स पर एशियन पेंट्स के शेयर 3 फीसदी से ज्यादा चढ़कर सबसे आगे रहे. एक्सिस बैंक, भारतीय स्टेट बैंक ट्रेंट, इटरनल और इंडिगो के शेयरों में भी करीब 2 फीसदी की तेजी



आई. दूसरी ओर पावर ग्रिड और टेक महिंद्रा के शेयर 1 फीसदी से ज्यादा गिर गए.

बैंकिंग शेयरों में खरीदारी के चलते निफ्टी बैंक पहली बार 61,979 के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया. सरकारी बैंकों का सूचकांक करीब 2 फीसदी और निजी बैंकों का सूचकांक करीब 1 फीसदी चढ़ा. में करीब 3 फीसदी की तेजी रही. ऑटो समेत दूसरे सेक्टर के सूचकांकों में भी बढ़त देखने को मिली. छोटी और मझोली कंपनियों के शेयरों में भी खरीदारी लौटी. 100 में 0.6 फीसदी तक की बढ़त दर्ज की गई. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर 2,023 शेयर चढ़े, जबकि 1,404 शेयरों में गिरावट रही. 108 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ.भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा कच्चे तेल के आयात से पूरा करता है. ऐसे में तेल सस्ता होने से देश का आयात बिल घटता है और महंगाई पर दबाव कम हो सकता है. ब्रेंट की कीमत मंगलवार को 0.7 फीसदी गिरकर 91.8 डॉलर प्रति बैरल पर आ मध्य पूर्व में तनाव के बावजूद स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते तेल की आपूर्ति लगभग युद्ध से पहले के स्तर पर लौटने से बाजार को राहत मिली है.

विदेशी निवेशकों की लगातार खरीदारी

विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार में लगातार पैसा लगा रहे हैं. उन्होंने सोमवार को लगातार 11वें कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर खरीदे. इस दौरान उनकी शुद्ध खरीद करीब 4,604 करोड़ रुपये रही. इस खरीदारी दौर में अब तक विदेशी निवेशक 94,000 करोड़ रुपये से ज्यादा के शेयर खरीद चुके हैं. इससे पहले 2026 के शुरुआती 10 महीनों में विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार से रिकॉर्ड 2.95 लाख करोड़ रुपये निकाले थे. अब उनकी वापसी से शेयर बाजार को मजबूती मिल रही है. विदेशी निवेश बढ़ने से बाजार में खरीदारी बढ़ती है और रुपये को भी सहारा मिल सकता है. विदेशी निवेशकों की खरीदारी और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी का असर रुपये पर भी दिख रहा है.

स्वीप-इन एफडी से अतिरिक्त रकम पर मिलेगा ज्यादा रिटर्न

बचत खाते में पैसा, FD जितना ब्याज

अगर आपके बैंक सेविंग अकाउंट में अक्सर कुछ अतिरिक्त पैसे पड़े रहते हैं, तो आप उन पर सामान्य बचत खाते से ज्यादा ब्याज कमा सकते हैं. इसके लिए बैंक की स्वीप-इन एफडी सुविधा उपयोगी हो सकती है. इसमें सेविंग अकाउंट में तय सीमा से ज्यादा जमा रकम अपने आप फिक्स्ड डिपॉजिट में चली जाती है. खास बात यह है कि जरूरत पड़ने पर बैंक से पैसा वापस सेविंग अकाउंट में ट्रांसफर कर सकता है. यानी अतिरिक्त रकम पर ज्यादा ब्याज कमाने के साथ जरूरत के समय पैसे की उपलब्धता भी बनी रहती है.स्वीप-इन सेविंग अकाउंट और फिक्स्ड डिपॉजिट की सुविधाओं को जोड़ती है. इसमें बैंक आपके सेविंग अकाउंट के साथ एक लिंक कर देता है. खाते में तय सीमा तक पैसा सेविंग अकाउंट में रहता है और उससे ज्यादा रकम में ट्रांसफर हो जाती है. आमतौर पर सेविंग अकाउंट के मुकाबले स्वष्ठ पर ज्यादा ब्याज मिलता है. ऐसे में खाते में लंबे समय तक पड़े अतिरिक्त पैसों पर बेहतर रिटर्न कमाने का मौका मिलता है. वहीं, जरूरत पड़ने पर लिंक स्वष्ठ से रकम वापस खाते में आ सकती है.इस सुविधा में सबसे अहम होती है थ्रेशहोल्ड लिमिट यह वह रकम है, जिसे बैंक आपके सेविंग अकाउंट में बनाए रखने के लिए तय करता है. इससे ज्यादा बैलेंस होने पर अतिरिक्त रकम स्वष्ठ में चली जाती है.मान लीजिए आपके खाते की थ्रेशहोल्ड लिमिट 25,000 रुपये है. अगर सेविंग अकाउंट में 50,000 रुपये जमा हो जाते हैं, तो अतिरिक्त 25,000 रुपये में ट्रांसफर हो सकते हैं. अब अगर आपको 30,000 रुपये निकालने हैं, तो बैंक के नियमों के मुताबिक लिंक से जरूरी रकम वापस खाते में आ सकती है. इस तरह आपको हर बार अलग से स्वष्ठ बनवाने या जरूरत पड़ने पर पूरी तुड़वाने की जरूरत नहीं पड़ती. पैसा अपने आप ट्रांसफर होता है, हालांकि इसकी प्रक्रिया बैंक के नियमों पर निर्भर करती है.इस सुविधा का सबसे बड़ा फायदा यह है कि स्वष्ठ में ट्रांसफर हुई रकम पर सेविंग अकाउंट के बजाय स्वष्ठ की ब्याज दर लागू होती है. उदाहरण के लिए, अगर आपके बैंक में सेविंग अकाउंट पर 2.5 फीसदी और स्वष्ठ पर 6.5 फीसदी सालाना ब्याज मिल रहा है, तो स्वष्ठ में रखी अतिरिक्त रकम पर 6.5 फीसदी की दर से ब्याज मिल सकता है. इससे खाते में पड़े पैसों से बेहतर रिटर्न कमाने का मौका मिलता है. हालांकि, वास्तविक ब्याज दर बैंक, की अवधि और अन्य शर्तों के हिसाब से अलग हो सकती है.अगर सेविंग अकाउंट का बैलेंस तय सीमा से नीचे चला जाता है, तो बैंक लिंक स्वष्ठ से जरूरत के मुताबिक रकम वापस खाते में ट्रांसफर कर सकता है. इसे आंशिक निकासी की तरह समझ सकते हैं. मान लीजिए आपकी लिंक में 50,000 रुपये हैं और आपको 10,000 रुपये की जरूरत है, तो बैंक के नियमों के अनुसार केवल जरूरी रकम निकाली जा सकती है. बाकी पैसा स्वष्ठ में बना रह सकता है



हीरो-टीवीएस का दुनिया में जलवा

ग्लोबल बिक्री में हासिल किया दूसरा और तीसरा स्थान

दुनिया की टू-व्हीलर इंडस्ट्री में अब तक जापानी कंपनियों का दबदबा रहा है. लेकिन अब इस तस्वीर में बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है. भारत की दो दिग्गज कंपनियों हीरो मोटोकॉर्प और टीवीएस ने ऐसा प्रदर्शन किया है कि दुनिया की बड़ी-बड़ी कंपनियां पीछे छूट गई हैं. दुनिया भर में इन दो भारतीय कंपनियों का डंका बजा है और ये दोनों कंपनियां दुनिया की दूसरी और तीसरी सबसे बड़ी टू-व्हीलर ब्रांड बन गई हैं.

अप्रैल से सितंबर 2026 के बीच बिक्री के मामले में हीरो मोटोकॉर्प दुनिया की दूसरी और टीवीएस मोटर तीसरी सबसे बड़ी टू-व्हीलर निर्माता कंपनी बनी है. खास बात यह है कि इन दोनों भारतीय कंपनियों ने जापान के दिग्गज ब्रांड को पछाड़कर यह मुकाम हासिल किया है. हालांकि, पहले नंबर पर अब भी का कब्जा बरकरार है.फाइनेंशियल एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल से सितंबर 2026 के दौरान होंडा ने दुनियाभर में कुल 1.19 करोड़ टू-व्हीलर्स बेचे हैं. जो पिछले साल के अप्रैल-सितंबर के बीच करीब 1.076 करोड़ यूनिट्स थे. इस तरह होंडा की बिक्री में सालाना आधार पर 10.6 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई है.35.5 लाख यूनिट्स की बिक्री के साथ दूसरे स्थान पर कब्जा किया है. वहीं टीवीएस मोटर कंपनी अप्रैल से सितंबर के बीच कुल 34 लाख यूनिट्स की बिक्री के साथ ग्लोबल रैंकिंग में तीसरे नंबर पर पहुंच गई है. लंबे समय से दुनिया की टॉप कंपनियों में शामिल



जापानी दोपहिया कंपनी यामाहा मोटर ने इस दौरान केवल 28.9 लाख यूनिट्स की बिक्री की और कंपनी चौथे पायदान पर खिसक गई है.देश की सबसे बड़ी दोपहिया कंपनी हीरो मोटोकॉर्प के हिस्से में ये सफलता अचानक नहीं आई है. कंपनी ने लगातार दो तिमाहियों में शानदार बिक्री दर्ज करते हुए दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी टू-व्हीलर निर्माता कंपनी का स्थान हासिल किया है. फाइनेंशियल ईयर 2026-27 की पहली तिमाही यानी में हीरो मोटोकॉर्प ने 16.77 लाख टू-व्हीलर्स बेचे. पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी की बिक्री 13.67 लाख यूनिट्स थी. इस तरह कंपनी ने सालाना आधार पर 23 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की.इसके बाद दूसरी तिमाही यानी (जुलाई से सितंबर) में भी कंपनी की बिक्री का सिलसिला जारी रहा. इस दौरान हीरो ने 18.68 लाख यूनिट्स वाहनों की बिक्री की है, जो पिछले साल के इस समय के मुकाबले 10 फीसदी ज्यादा और पिछली तिमाही से 11 फीसदी अधिक है. इस तरह अप्रैल से सितंबर 2026 तक कंपनी की कुल बिक्री 35.45 लाख यूनिट्स तक पहुंच गई.दुनिया की टॉप-4 टू-व्हीलर कंपनियों में ने सबसे तेज रफ्तार से तरक्की की है. कंपनी ने अप्रैल से सितंबर 2026 के दौरान 34 लाख टू-व्हीलर्स बेचे, जबकि पिछले साल इसी टाइम पीरियड में यह आंकड़ा 27 लाख यूनिट्स था. यानी टीवीएस की बिक्री में सालाना आधार पर 27 फीसदी की जोरदार बढ़ोतरी हुई है. कंपनी की इस सफलता में घरेलू बाजार के साथ इंटरनेशनल बिजनेस का भी बड़ा योगदान रहा है.

honda का दबदबा कायम

दुनिया की सबसे बड़ी टू-व्हीलर निर्माता कंपनी की सफलता में एशियाई बाजार की सबसे अहम भूमिका है. अप्रैल से सितंबर 2026 के बीच कंपनी की कुल बिक्री में से 1.011 करोड़ यूनिट्स अकेले एशिया में बिकीं. यह होंडा की ग्लोबल सेल का करीब 84.9 फीसदी हिस्सा है. भारत में होंडा की सहयोगी कंपनी होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने भी इस दौरान शानदार प्रदर्शन किया. सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के आंकड़ों के सितंबर के बीच भारत में कुल 30,44,072 टू-व्हीलर्स बेचे. एशिया के अलावा होंडा ने दूसरे उभरते बाजारों में 12.1 लाख यूनिट्स की बिक्री की.

स्वामी, प्रकाशक एव मुद्रक श्रीमती ज्योति मिश्रा द्वारा काम्पेक प्रिंटर्स प्रा.लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45 ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान संपादक-आशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं-0731-4202569 फैक्स नं-0731-4202569